

नोट: अगर आपकी कोई शिकायत/समस्या, हो तो आप शिकायत समाधान अधिकारी/लोकपाल से सम्पर्क पर सकते हैं, जिनका पता नीचे दिया गया है: NOTE: In case you have any Complaints/Grievance, you may approach Grievance Redressal Officer/ Ombudsman, whose address is as under:

शाखा कार्यालय का पताः / Address of Branch Office:						
शिकायत समाधान अधिकारी का पता: Address of Grievance Redressal Officer:		बीमा लोकपाल का पता: Address of Insurance Ombudsman:				

नोटः इन नियमों तथा शर्तों और विशेष प्रावधानों /शर्तों की व्याख्या में कोई विवाद होने पर अंग्रेजी पाठ मान्य होगा। Note: In case of dispute in respect of interpretation of these terms and conditions and special provisions/conditions the English version shall stand valid.

आपसे अनुरोध है कि इस पॉलिसी की जांच कर लें तथा इसमें कोई त्रुटि पाए जाने पर उसे सुधार के लिए तुरन्त हमें लौटाएं

YOU ARE REQUESTED TO EXAMINE THIS POLICY, AND IF ANY MISTAKE BE FOUND THEREIN, RETURN IT IMMEDIATELY FOR CORRECTION.

आई आर डी ए आई पंजीकरण संख्या : **512** IRDAI Regn. No.: 512

28177 Jeevan Labh Policy document 21-01.indd Spread 1 of 8 - Pages(16. 1)



एलआईसी का जीवन लाभ LIC's JEEVAN LABH

(जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 द्वारा संस्थापित) (Established by the Life Insurance Corporation Act, 1956)



भाग – अ (जारी) / PART – A (Contd...)

भारतीय जीवन बीमा निगम को (जिसे यहां बाद में "निगम" कहा गया है) यहां नीचे चंदिना अनुसूची में उल्लिखित प्रस्तावक तथा बीमित व्यक्ति से प्रस्ताव तथा घोषणापत्र और पहले प्रीमियम की प्राप्ति हुई है और उक्त प्रस्ताव तथा घोषणा पत्र पर, उसमें निहित तथा उल्लिखित वक्तव्यों सहित, उक्त प्रस्तावक और निगम के बीच इस बीमे के आधार के रूप में सहमति हो गयी है। अतः निगम इस पॉलिसी द्वारा करार करता है कि अनुसूची में निर्धारित परवर्ती प्रीमियमों की विधिवत प्राप्ति होने पर और उसके प्रतिफल स्वरूप बीमा राशि का भुगतान बिना किसी व्याज के, निगम और निगम के शाखा कार्यालय में, जहां इस पॉलिसी के लिए सेवा उपलब्ध कराई जाती है, उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों को जिन्हें वह उक्त अनुसूची की शर्तों के अनुसार देय हो, निगम को इस बात का संतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत करने पर करेगा कि अनुसूची के शर्तों के अनुसार हितलाम देय हो गए हैं और उसका दावा करने वाला/वाले उक्त व्यक्ति उसका/उसके हकदार है और प्रस्ताव पत्र में उल्लिखित बीमित व्यक्ति की उम्र सही है यदि पहले से स्वीकृत न हो।

और एतद्वारा यह भी घोषित किया जाता है कि यह बीमा पॉलिसी इसके पीछे की तरफ छपी परिमाषाओं, हितलाभीं, सेवा प्रदान करने से संबंधित शर्तों, अन्य नियमों और शर्तों तथा वैधानिक प्रावधानों और निम्नलिखित अनुसूची तथा निगम द्वारा लगाए गए प्रत्येक पृष्ठांकन जिसे पॉलिसी का अंग माना जाएगा, के विषयाधीन होगी।

THE LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA (hereinafter called "the Corporation") having received a Proposal along with Declaration and the first premium from the Proposer and the Life Assured named in the Schedule referred to herein below and the said Proposal and Declaration with the statements contained and referred to therein having been agreed to by the said Proposer and the Corporation as basis of this assurance do by this Policy agree, in consideration of and subject to the due receipt of the subsequent premiums as set out in the Schedule, to pay the Benefits, but without interest, at the Branch Office of the Corporation where this Policy is serviced to the person or persons to whom the same is payable in terms of the said Schedule, on proof to the satisfaction of the Corporation of the Benefits having become payable as set out in the Policy Document, of the title of the said person or persons claiming payment and of the correctness of the age of the Life Assured stated in the Proposal if not previously admitted.

And it is hereby declared that this Policy of Assurance shall be subject to the Definitions, Benefits, Conditions Related To Servicing Aspects, Other Terms And Conditions and Statutory Provisions printed on the back hereof and that the following Schedule and every endorsement placed on the Policy by the Corporation shall be deemed part of the Policy.

	Policy.			6 ,		6		
मण्डल कार्यालय / DIVISIONAL OFFICE:				तालिका / SCHEDULE		शाखा कार्यालय / BRANCH OFFICE:		
पॉलिसी सं.: Policy No.:			मूल बीमा राशि (₹): Basic Sum Assured (₹):		प्रीमियम भुगतान की देय तिथि: Due date of premium:			
	की आरंभ तिथि: f Commencement of Poli	icy:		मूल पॉलिसी के लिए प्रीमियम की किस्त (₹):		प्रीमियम के भुगतान का माध्यम: Mode of payment of premium:		
जोखिम के आरंभ होने की तिथि: Date of Commencement of Risk:			lnstalment Premium for Base Policy (₹): कुल किस्त ग्रीमियम (₹): Total Instalment Premium (₹):		मूल पॉलिसी के लिए अंतिम प्रीमियम की देय तिथि: Due Date of Payment of Last premium for Base Policy: बीमित व्यक्ति की जन्म तिथि:			
प्लान तथा पॉलिसी की अवधि: Plan & Policy Term:								
प्रीमियम Premiu	भुगतान अवधिः m Paying Term:			(सेवा कर तथा/या समय-सम् अन्य कर अतिरिक्त लिए जाएं	मय पर लागू गे	Date of birth of the Life Assured: बीमित व्यक्ति की उम्र:		
	परिपक्वता तिथि: Date of Maturity:			(Service tax and / or any other Tax as applicable from time to time is charged extra.)		Age of the Life Assured: क्या उम्र स्वीकृत है ? Whether age Admitted?		
क्रम सं./ Sr. No.				राइडर बीमा राशि/ Rider Sum Assured	राइंडर के लिए किस्त प्रीमियम / Instalment Premium for Rider	राइडर के लिए अंतिम प्रीमियम के भुगतान की देय तिथि / Due date of payment of last premium for Rider	राइडर की समाप्ति की तिथि/ Date of rider termination	
1								
2								
	नोट: भाग (हितलाभ) की शर्त 4 के अंतर्गत उल्लेख किए गए राइडर की शर्ते केवल तभी लागू होंगी अगर इस राइडर को चुना गया हो । Note: Conditions of the rider(s) mentioned under Condition no. 4 of Part C (Benefits) shall only apply if the above mentioned riders have been opted for.							
	बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अंतर्गत नामित व्यक्ति का नाम / Name of Nominee under Section 39 of the Insurance Act, 1938:							
यदि नार्वि	मेत अवयस्क है, तो नियुक्त inee is a minor, name o	व्यक्ति का नाम:						
	सं.: / Proposal No.:			/ Date of Proposal:	हितलाभ चित्रण संदर्भ सं.: / [हितलाम चित्रण संदर्भ सं.: / Benefit Illustration Reference No.:		
प्रस्तावव	5 का नाम और पता: / Nar	me and addre	ss of Proposer:		बीमित व्यक्ति का नाम और प	बीमित व्यक्ति का नाम और पताः / Name and address of Life Assured:		
			बीमा अधिन	नेयम, 1938 की धारा 38 के 9 के अंजर्गत नामिनों या पार्णा	अंतर्गत प्रस्तावक या बीमित व्यक्ति य	ा उसके समनुदेशिती को या बीमा कानून (संशो धानिक प्रतिनिधियों को जिन्होंने उसकी सम्पदा न्यायालय, जो भी लागू हो, से अपने प्रतिनिधि	धन) अधिनियम 1938 र गा ट्रम गॉनिसी के अंजर्पन	
			देय राशि म	ात्र के लिए भारत संघ के किस	ी राज्य या संघ शासित प्रदेश के किसी	न्यायालय, जो भी लागू हो, से अपने प्रतिनिधि	। होने का प्रमाणपत्र प्राप्त	

लाभार्थी, हितलाभ जिसे देय हैं Beneficiary to whom Benefits payable	द्योग अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अंतर्गत प्रस्तावक या बीमित व्यक्ति या उसके समनुदेशिती को या बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम 1938 की धारा 39 के अंतर्गत नामितों या प्रमाणित निष्पादकों या प्रशासकों या अन्य वैधानिक प्रतिनिधियों को जिन्होंने उसकी सम्पदा या इस पांलिसी के अंतर्गत देय राशि मात्र के लिए भारत संघ के किसी राज्य या संघ शासित प्रदेश के किसी न्यायालय, जो भी लागू हो, से अपने प्रतिनिधि होने का प्रमाणपत्र प्राप्त केया होगा । The proposer or the Life Assured or his Assignee under Section 38 of Insurance Act, 1938 or Nominees under Section 39 of nsurance Act, 1938 or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives who should take out representation o his/ her Estate or limited to the moneys payable under this Policy from any Court of any State or Territory of the Union of Ind as applicable.	
प्रीमियम किस अवधि तक देय	अंतिम प्रीमियम के भुगतान की देय तिथि या बीमित व्यक्ति की उससे पूर्व मृत्यु होने तक	
Period during which premiums payable	Till the stipulated due date of payment of last premium or earlier death of the Life Assured.	
प्रीमियम देय होने की तिथि	निर्धारित देय तिथि को	
Dates when premium payable	On the stipulated due date in	

निगम के लिए उपरोक्त शाखा कार्यालय पर हस्ताक्षरित, जिसका पता अंतिम पृष्ठ पर दिया गया है तथा जिस पर पॉलिसी से संबंधित सभी पत्राचार भेजे जाने चाहिए। Signed on behalf of the Corporation at the above mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications relating to the policy should be addressed.

दिनांक / Date:

जांचकर्ता / Examined by:

फॉर्म नं. / Form No.:

कृते वरिष्ठ/मुख्य/शाखा प्रबंधक p. Chief/Sr./ Branch Manager

एजेन्सी कोड	एजेन्ट का नाम	एजेन्ट का मोबाइल नंबर/लैंडलाइन नंबर
Agency Code	Agent Name	Agent's Mobile Number/Landline Number

15-02-2016 05:11:36

भाग-ब: परिभाषाएं

- 1. उम्र का अर्थ पॉलिसी के आरंभ होते समय बीमित व्यक्ति के नज़दीकी जन्मदिन से है सिवाय 8 वर्ष की उम्र के लिए, जहां उम्र पूर्ण वर्षों में है।
- नियुक्त-व्यक्ति (एपॉइन्टी) वह व्यक्ति है जिसे पॉलिसी के अंतर्गत दावे के भुगतान की तिथि को नामित के नाबालिंग होने तथा उसे दावे की राशि देय होने पर वह सुरक्षित राशि/हितलाम देय होती है।
- वार्षिकीकृत प्रीमियम एक पॉलिसी वर्ष में कुल देय प्रीमियम राशि है। जो कि बीमालेखन निर्णयों तथा राइडर प्रीमियमों, अगर कोई हो के कारण ली जानेवाली किसी अतिरिक्त राशि के अलावा है।
- 4. **समनुदेशिती** वह व्यक्ति है जिसे समनुदेशन के फलस्वरूप पॉलिसी के अधिकार तथा हितलाभ हस्तांतरित किए जाते हैं।
- समनुदेशन बीमा अधिनियम 1938 की धारा 38 के अंतर्गत "समनुदेशिती" के पक्ष में पॉलिसी के अधिकारों तथा हितलाभों के स्थानान्तरित होने की प्रक्रिया है।
- मूल पॉलिसी यह पॉलिसी का वह हिस्सा होता है जो मूल हितलाभों का उल्लेख करता है (इस पॉलिसी कागजात में उल्लिखित लाभों में राइडर (र्स) के अंतर्गत अगर चुने गए हों, लाभों का समावेश नहीं होता है।)
- 7. लाभार्थी का अर्थ ऐसे व्यक्ति से है जो इस पॉलिसी के अंतर्गत हितलाभों को प्राप्त करने का पात्र है। लाभार्थी, प्रस्तावक या बीमित व्यक्ति या उसका समनुदेशिती या नामित व्यक्ति या प्रमाणित निष्पादक या प्रशासक या कोई अन्य वैधानिक प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, हो सकता है।
- 8. **निगम** का अर्थ एलआईसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम से है।
- 9. **पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि** का अर्थ इस पॉलिसी के शुरू होने की तिथि है।
- 10. **जोखिम के आरंभ होने की तिथि** वह तिथि है जब निगम बीमा हेतु पॉलिसी की तालिका के अनुसार जोखिम (संरक्षण) को स्वीकार कर लेता है।
- 11. **परिपक्वता की तिथि** का अर्थ वह निश्चित तिथि है जब हितलाभ पूर्णतः या आकस्मिक रूप से देय होता है।
- 12. निहित होने की तिथि वह तिथि जब पॉलिसी के हितलाभ पाने के लिए बीमित व्यक्ति हकदार होता है जैसा कि इस पॉलिसी दस्तावेज के भाग स की शर्त 3 में विनिर्दिष्ट किया गया है।
- 13. मृत्यु पर मिलने वाली रकम का अर्थ करार के आरंभ के समय सहमत हितलाभ से है, जो कि इस पॉलिसी दस्तावेज के "भाग स" की शर्त 2 में विनिर्धारित बीमित व्यक्ति की मृत्यु की दशा में देय है।
- 14. **डिस्चार्ज फॉर्म** पॉलिसीधारक/दावेदार द्वारा पॉलिसी के अंतर्गत/परिपक्वता/ अभ्यर्पण/मृत्यु पर प्राप्त होने वाले हितलाभ का दावा करने के लिए भरा जाने वाला फॉर्म है।
- 15. देय तिथि का अर्थ वह निर्धारित तिथि है जब प्रीमियम देय तथा पॉलिसीधारक द्वारा भगतान योग्य हों।
- 16. **पृष्ठांकन** से अर्थ निगम द्वारा किन्हीं सहमत या जारी संशोधनों या परिवर्तनों को इस पॉलिसी में शामिल करने के लिए संलग्न/जोड़ी गई शर्तों से है।
- 17. अंतिम अतिरिक्त बोनस, जिसे टर्मिनल (समाप्ति) बोनस भी कहा जाता है, पॉलिसी की समाप्ति पर, हितलामों के साथ देय अतिरिक्त राशि है, अगर लागू हो।
- 18. **पूर्व समाप्ति** बकाया ऋण या लोन पर ब्याज को देय तिथि तक न चुकाने पर पॉलिसी की पूर्व-समाप्ति की क्रिया है।
- 19. फ्री लुक पीरियड पॉलिसी दस्तावेज की प्राप्ति से 15 दिनों की अविध इस पॉलिसी के नियमों तथा शर्तों की समीक्षा करने के लिए है, और अगर पॉलिसीधारक उन नियमों तथा शर्तों में से किसी से असहमत हो, तो उसके पास इस पॉलिसी को लौटाने का विकल्प है।
- 20. रियायती अवधि यह प्रीमियम की देय तिथि से बीमाकर्ता द्वारा दिया गया भुगतान हेतु वह समय है जिसके दौरान बिना किसी जुर्माने/विलम्ब शुल्क के भुगतान किया जा सकता है तथा पॉलिसी का जोखिम संरक्षण के साथ प्रभावी माना जाता है तथा पॉलिसी की अवधि में कोई व्यवधान नहीं आता है।
- 21. **गारंटीड सरेन्डर मूल्य** पॉलिसी के सरेन्डर किए जाने पर पॉलिसीधारक को अदा किए जाने वाले सरेन्डर मूल्य की न्यूनतम गारंटीड राशि है।
- 22. पूर्णतः प्रभावी का अर्थ यह है कि पॉलिसी के अंतर्गत सभी देय प्रीमियम्स का देय तिथि से पहले या रियायती अविध में भुगतान कर दिया गया है।
- 23. **आईआरडीएआई** का अर्थ है इंश्योरेन्स रेग्युलेटरी एंड डेव्लपमेन्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले इसे इंश्योरेन्स रेग्युलेटरी एंड डेव्लपमेन्ट अथॉरिटी (आईआरडीए) कहा जाता था।
- 24. **कालातीत (लैप्स)** पॉलिसी की वह दशा है जब रियायती अवधि के दौरान देय प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाता है।
- 25. **बीमित व्यक्ति** वह व्यक्ति है जिसके जीवन पर बीमा संरक्षण लिया गया है।
- 26. ऋण निगम द्वारा पॉलिसीधारक को पॉलिसी पर देय सरेन्डर मूल्य पर प्रदान की गयी ब्याजयुक्त राशि है।
- 27. परिपक्वता हितलाभ का अर्थ वह हितलाभ है जो कि परिपक्वता अर्थात इस पॉलिसी दस्तावेज के भाग स की शर्त 1 पर उल्लिखित पॉलिसी अविध की समाप्ति पर देय है, अगर बीमित व्यक्ति पॉलिसी की परिपक्वता की तिथि तक जीवित रहता है।
- 28. महत्त्वपूर्ण जानकारी वह जानकारी है जो कि पॉलिसी प्राप्त करते समय बीमित व्यक्ति को पहले से ज्ञात थी, जिसका प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव के बीमालेखन पर प्रभाव होता है।
- 29. अवयस्क या नाबालिग वह व्यक्ति है जिसने 18 वर्ष की उम्र पूरी न की हो।
- 30. नामांकन किसी व्यक्ति को "नामित" करने के लिए प्रस्ताव प्रपत्र में या बाद में पृष्ठांकन द्वारा शामिल करने/बदलने की प्रक्रिया है। नामांकन, समय-समय पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 39 के प्रावधान के अनुसार किया जाना चाहिए।
- 31.नामित वह व्यक्ति है जो बीमित व्यक्ति की पॉलिसी की परिपक्वता से पूर्व मृत्यु की दशा में पॉलिसी की राशि को मान्य रूप से उन्मोचित (डिस्चार्ज) करने का अधिकार रखता है।

PART - B: DEFINITIONS

The definitions of terms/words used in the policy documents are as under:

- Age is the age nearest birthday of the Life Assured at the time of the commencement of the policy except for age 8 years for which the age is in completed years.
- Appointee is the person to whom the proceeds/benefits secured under the Policy are payable if the benefit becomes payable to the nominee and nominee is minor as on the date of claim payment.
- Annualized Premium is the total amount of premium payable in a
 policy year excluding extra amount if charged under the policy due to
 underwriting decisions and rider premiums, if any.
- 4. **Assignee** is the person to whom the rights and benefits are transferred by virtue of an Assignment.
- Assignment is the process of transferring the rights and benefits to an "Assignee". Assignment should be in accordance with the provisions of section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.
- Base Policy is that part of the Policy referring to basic benefit (benefits referred to in this policy document excluding benefits covered under Rider(s), if opted for).
- Beneficiary means the person who is entitled to receive benefits under this Policy. The Beneficiary may be proposer or Life Assured or his Assignee or Nominees or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives as the case may be.
- 8. Corporation means the Life Insurance Corporation of India established under Section 3 of the LIC Act, 1956.
- 9. Date of commencement of policy is the start date of this Policy.
- Date of commencement of risk is the date on which the Corporation accepts the risk for insurance (cover) as evidenced in the schedule of the policy.
- Date of Maturity means a fixed date on which benefit may become payable either absolutely or contingently.
- Date of vesting is the date from which the Life Assured becomes entitled to the policy benefits as specified in Condition 3 of Part C of this Policy Document.
- 13. Death Benefit means the benefit, agreed at the inception of the contract, which is payable on death of Life Assured as specified in condition 2 of Part C of this Policy document.
- 14. **Discharge form** is the form to be filled by policyholder/claimant to claim the maturity / surrender / death benefit under the policy.
- 15. Due Date means a fixed date on which the policy premium is due and payable by the policyholder.
- Endorsement means conditions attached/ affixed to this Policy incorporating any amendments or modifications agreed to or issued by the Corporation.
- 17. Final Additional Bonus, also called as Terminal Bonus, is an additional amount payable along with the benefits on termination of the policy, if applicable.
- 18. Foreclosure is an action of closing the policy due to default in payment of outstanding loan and / or loan interest on due date.
- 19. Free Look Period is the period of 15 days from the date of receipt of the policy document by the policyholder to review the terms and conditions of this policy and where the policyholder disagrees to any of those terms and conditions, he/ she has the option to return this policy.
- 20. Grace period is the time granted by the insurer from the due date for the payment of premium, without any penalty/ late fee, during which time the policy is considered to be inforce with the risk cover without any interruption as per the terms of the policy.
- Guaranteed Surrender Value is the minimum guaranteed amount
 of Surrender Value payable to the policyholder on surrender of the
 policy.
- 22. Inforce means all due premiums have been paid on or before the due date or within the grace period.
- 23. IRDAI means Insurance Regulatory and Development Authority of India earlier called as Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA).
- 24. **Lapse** is the status of the Policy when a due premium is not paid within the grace period.
- 25. Life Assured is the person on whose life the insurance cover has been accepted.
- 26. Loan is the interest bearing repayable amount granted by the Corporation against the surrender value payable to the policyholder.
- 27. Maturity Benefit means the benefit, which is payable on maturity i.e. at the end of the policy term as specified in condition1of Part C of this Policy Document, on life assured surviving the stipulated Date of Maturity
- 28. **Material information** is the information already known to the Life Assured at the time of obtaining a policy which has a bearing on underwriting of the proposal /Policy submitted.
- 29. Minor is a person who has not completed 18 years of age.
- 30. Nomination is the process of nominating a person who is named as "Nominee" in the proposal form or subsequently included/ changed by an endorsement. Nomination should be in accordance with provisions of section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.
- 31. **Nominee** is the person who has right to give a valid discharge to the policy monies in case of the death of the Life Assured.
- 32. Participating means the Policy is eligible for share of profit depending upon the Corporation's experience.

- 32. प्रतिभागी का अर्थ है निगम के अनुभव के आधार पर पॉलिसी मुनाफे में भागीदारी का पात्र है।
- 33. चुकता पॉलिसी की वह स्थिति है, कम से कम 3 पूरे वर्षों हेतु प्रीमियम्स का भुगतान अदा किया जाता है और परवर्ती प्रीमियम्स का भुगतान रियायती अविध के दौरान नहीं किया जाता है।
- 34. **पॉलिसी वर्षगांठ** का अर्थ पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि से एक वर्ष तथा उसके बाद परिपक्वता तक एक वर्ष बाद आनेवाली प्रत्येक तिथि से है।
- 35. पॉलिसी/पॉलिसी दस्तावेज का अर्थ पृष्ठांकनों, अगर कोई हों, सहित निगम द्वारा जारी वह दस्तावेज है जो कि पॉलिसीधारक तथा निगम के बीच एक वैधानिक अनुबंध होता है।
- 36. **पॉलिसीधारक** इस पॉलिसी का कानूनी मालिक है।
- 37. **पॉलिसी अवधि** वर्षों में पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि से वह अवधि है, जब पॉलिसी के नियमों व शतों के अनुसार संविदागत हितलाभ देय होते हैं।
- 38. पॉलिसी वर्ष दो लगातार पॉलिसी वर्षगांठों के बीच की अवधि है। इस अवधि में पहला वर्षगांठ का दिन शामिल है तथा अगला पॉलिसी वर्षगांठ दिन शामिल नहीं है।
- 39. प्रीमियम पॉलिसी के अंतर्गत हितलाभों को सुरक्षित करने के लिए इस पॉलिसी दस्तावेज की अनुसूची में उल्लिखित विनिर्धारित समयों पर आवधिक रूप से पॉलिसीधारक द्वारा अदा की जाने वाली संविदागत राशि है। अदा किया जाने वाला प्रीमियम होगा "कुल किस्त प्रीमियम", जिसमें शामिल होगा
 - i) मूल पॉलिसी के लिए किस्त प्रीमियम तथा
 - ii) राइडर के लिए किस्त प्रीमियम, अगर राइडर को चुना गया हो इस पॉलिसी कागजात में कहीं भी इस्तेमाल किए गए शब्द "प्रीमियम" में किन्हीं करों को शामिल नहीं किया गया है।
- 40. **प्रीमियम भुगतान अवधि** का अर्थ वर्षों में वह अवधि है, जिसके दौरान प्रीमियम का भुगतान किया जाता है।
- 41. निरन्तर बीमा योग्यता का प्रमाण यह पॉलिसीधारक से मांगी जानेवाली जानकारी है ताकि पॉलिसी के पुन:प्रचलन का निर्णय लिया जा सके। इसमें उत्तम स्वास्थ्य की घोषणा, मेडिकल रिपोर्ट्स, विशेष रिपोर्ट्स आदि का समावेश है।
- 42. प्रस्तावक वह व्यक्ति है जो जीवन बीमा लेने का प्रस्ताव देता है।
- 43. पुन: प्रचालन का अर्थ प्रीमियम का भुगतान न किए जानेवाली पॉलिसी को, सभी देय प्रीमियम्स तथा अन्य प्रभारों/विलम्ब शुल्क, अगर कोई हो, पॉलिसी के नियमों व शतों के अनुसार प्राप्त होने तथा पॉलिसीधारक द्वारा मौजूदा बीमालेखन दिशानिर्देशों के अनुसार पेश की गई जानकारी, कागजातों तथा रिपोर्ट्स के आधार पर बीमाधारक की निरन्तर बीमायोग्यता के बारे में संतुष्ट होने पर बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसी को पॉलिसी दस्तावेज में उल्लेख किए गए समस्त हितलाभों फिर से चालू किए जाने से है।
- 44. पुन: प्रचालन अवधि इसका अर्थ पॉलिसी के अप्रभावी होने की तिथि से लगातार दो वर्षों की अवधि है, जिसे अवधि के दौरान पॉलिसीधारक पॉलिसी के पुन:प्रचालित करने का पात्र है, जिसे प्रीमियम का भुगतान न किए जाने के कारण अप्रभावी कर दिया गया हो।
- 45. **राइडर** इस पॉलिसी के अंतर्गत विनिर्धारित किए गए अनुसार मूल हितलाभों के साथ जोड़ा गया एक मूल्यवर्द्धित हितलाभ है।
- 46. राइडर प्रीमियम पॉलिसीधारक द्वारा, अगर राइडर चुना गया हो तो उसके अतिरिक्त संरक्षण/हितलाभ के लिए मूल प्लान के अंतर्गत देय प्रीमियम के साथ अदा किया जाने वाला पीफिएम है।
- 47. **राइडर बीमा राशि** वह निश्चित रकम है जो कि राइडर के अंतर्गत संरक्षित घटना के घटित होने पर, अगर उसे चुना गया हो, देय होती है।
- 48. अनुसूची आपके पॉलिसी दस्तावेज का एक अंग है जिसमें आपकी पॉलिसी का विवरण मौजूद है।
- 49. सरल प्रत्यावर्ती बोनस "लाभ सिहत" पॉलिसों पर निगम द्वारा अतिरिक्त/लाभ के रूप में जोड़ा जाता है। निगम के अनुभव के अनुभार इसे प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में प्रति हजार मूल बीमा राशि पर घोषित किया जाता है।
- 50. **मृत्यु पर बीमा राशि** इस पॉलिसी की अवधि के दौरान मृत्यु पर देय सुनिश्चित राशि।
- 51. **परिपक्वता पर बीमा राशि** यह कुल राशि है जो परिपक्वता पर देय है जिसका उल्लेख इस पॉलिसी कागजात के भाग स की शर्त 1 में उल्लेख किया गया है।
- 52. **अभ्यर्पण** का अर्थ पूरी पॉलिसी को परिपक्वता से पहले वापस लेना/समाप्त करना है।
- 53. अभ्यर्पण मूल्य का अर्थ, वह राशि है, अगर कोई हो, जो कि इस पॉलिसी के नियमों तथ शतौं के अनुसार उसे सरेन्डर करने की स्थिति में देय होती है।
- 54. तालिका प्रीमियम यह बीमित व्यक्ति की उम्र के आधार पर चुनी गई मूल बीमा राशि के लिए प्रीमियम है जिसमें किसी रिबेट या अतिरिक्त लोडिंग को शामिल नहीं किया गया है।
- 55. बीमालेखन शब्द का इस्तेमाल जोखिम आकलन की प्रक्रिया का वर्णन करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा जिन जोखिमों का सामना किया जा रहा है, उनके संरक्षण के लिए यह आनुपातिक लागत है। बीमालेखन के आधार पर संरक्षण की स्वीकृति या अस्वीकृति तथा उपयुक्त प्रीमियम या संशोधित शर्तों को लागू किए जाने, अगर कोई हो, के संबंध में फैसला लिया जाता है।
- 56. UIN का अर्थ इस प्लान को आईआरडीए द्वारा आबंटित यूनीक आइडेन्टिफिकेशन नंबर है।
- 57. **निहित बोनस** यह प्रत्यावर्ती बोनस है जो घोषित किया जा चुका है तथा पॉलिसी के साथ जुड़ा रहता है।
- 58. **लाभ सहित पॉलिसियां** के तात्पर्य ऐसी पॉलिसियां से है, जो पॉलिसी के नियमों और शर्तों के अनुसार पॉलिसी की अवधि के दौरान निगम को प्राप्त होने वाली अतिरिक्त राशि (मुनाफे) में भागीदारी की पात्र होती हैं।

भाग - सः हितलाभ

- इस पॉलिसी के अंतर्गत निम्नलिखित हितलाभ देय हैं:
- 1. परिपक्वता हितलाभ: बीमित व्यक्ति के परिपक्वता की निर्धारित अवधि तक जीवित

- 33. Paid Up is the status of the Policy if the premiums are paid for at least 3 full years and subsequent premiums are not paid within the grace period.
- 34. **Policy Anniversary** means one year from the date of commencement of the Policy and the same date falling one year thereafter, till the date of maturity.
- 35. Policy/Policy Document means this document along with endorsements, if any, issued by the Corporation which is a legal contract between the Policyholder and the Corporation.
- 36. Policyholder is the legal owner of this policy.
- 37. **Policy term** is the period, in years, from the Date of commencement of policy during which the contractual benefits are payable as per the terms and conditions of the policy.
- 38. **Policy year** is the period between two consecutive policy anniversaries. This period includes the first day and excludes the next policy anniversary day.
- 39. **Premium** is the contractual amount payable by the Policyholder at specified times periodically as mentioned in the schedule of this Policy Document to secure the benefits under the policy. The premium payable will be "Total Installment Premium" which includes i. Installment Premium for Base Policy and
 - ii.Installment Premium for Rider, if Rider has been opted for.
 - The term 'Premium' used anywhere in this Policy Document does not include any taxes.
- 40. **Premium paying term** means the period, in years, during which premium is payable.
- 41. Proof of continued insurability is the information sought from the policyholder to decide revival of the policy. This includes Form of declaration of Good Health, Medical Reports, Special Reports, etc.
- 42. Proposer is a person who proposes the life insurance proposal.
- 43. Revival of a policy which was discontinued due to the non-payment of premium, means restoration of the policy by the insurer as per underwriting decision, upon the receipt of all the premium due and other charges/ late fee, if any, as per the terms and conditions of the policy, upon being satisfied as to the continued insurability of the insured on the basis of the information, documents and reports furnished by the policyholder, in accordance with the then existing underwriting quidelines.
- 44. Revival Period is the period of two consecutive years from the date of discontinuance of the policy, during which period the policyholder is entitled to revive the policy which was discontinued due to the nonpayment of premium.
- 45. **Rider** is an add-on benefit in addition to basic benefits as specified under this Policy Document.
- 46. **Rider Premium** is the premium payable by the Policyholder along with the premium under Base Policy towards the additional cover/benefit opted under the rider, if opted.
- 47. **Rider Sum Assured** is the assured amount payable on happening of a specified event covered under the rider, if opted.
- 48. **Schedule** is the part of policy document that gives the specific details of your policy.
- 49. Simple Reversionary Bonus is the surplus/profit added by the Corporation to 'with-profits' policies. It is declared per thousand Basic Sum Assured at the end of each financial year based on the Corporation's experience.
- 50. Sum Assured on Death is the assured amount payable on death during the policy term.
- 51. Sum Assured on Maturity is the absolute amount payable on maturity as mentioned in Condition 1 of Part C of this Policy Document.
- 52. **Surrender** means complete withdrawal / termination of the entire policy before maturity.
- 53. Surrender Value means an amount, if any, that becomes payable in case of surrender in accordance with the terms and condition of this policy.
- 54. Tabular premium is the premium for the chosen Basic Sum Assured based on the age of the Life Assured without application of any rebate or extra loading.
- 55. Underwriting is the term used to describe the process of assessing risk and ensuring that the cost of the cover is proportionate to the risks faced by the individual concerned. Based on underwriting, a decision on acceptance or rejection of cover as well as applicability of suitable premium or modified terms, if any, is taken.
- 56. UIN means the Unique Identification Number allotted to this plan by the IRDAI.
- 57. Vested Bonus is the reversionary bonus, if any, which has already been declared and remains attached to the policy.
- 58. With Profits policies means policies which are entitled for any share in surplus (profits) emerging during the term of the policy in accordance with the terms and conditions of the policy.

PART – C: BENEFITS

- The following benefits are payable under this policy:
- Maturity Benefit: On Life Assured surviving the stipulated Date of Maturity provided the policy is inforce, Sum Assured on Maturity along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable. Where Sum Assured on Maturity is equal to Basic Sum Assured.
- 2. Death Benefit: On death of the Life Assured before the stipulated Date of Maturity provided the policy is inforce, then Death Benefit, defined as sum of "Sum Assured on Death", vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable. Where, "Sum Assured on Death" is defined as higher

रहने पर, बशर्तें पॉलिसी पूर्णतः प्रभावी हो, "परिपक्वता पर बीमा राशि" निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनसों तथा अंतिम अतिरिक्त बोनस, अगर कोई हो, के साथ देय होगी। जहां परिपक्वता पर बीमा राशि मूल बीमा राशि के समान होगी।

- 2. मृत्यु पर देय राशि: बीमित व्यक्ति की परिपक्वता की निर्धारित तिथि से पूर्व मृत्यु पर, बशर्तें पॉलिसी पूर्णतः प्रभावी हो,मृत्यु पर मिलने वाली रकम, जिसे पर बीमा राशि" तथा निहित प्रत्यावर्ती बोनस और अंतिम अतिरिक्त बोनस, अगर कोई हो, के कुल के रूप में परिभाषित किया गया है, देय होगी। "मृत्यु पर बीमा राशि" को वार्षिकीकृत प्रीमियम के 10 गुना या पूर्ण बीमा राशि यानी मूल बीमा राशि में से जो भी अधिक हो, के रूप में परिभाषित किया गया है, देय होगी।
- मृत्यु पर मिलने वाली यह रकम मृत्यु की तिथि तक अदा किए गए कुल प्रीमियमों , 105% से कम नहीं होगी। इसमें बीमालेखन संबंधी निर्णयों के की तिथि तक अगर पॉलिसी पर कोई अतिरिक्त राशि प्रभारित की गई हो तथा राइडर प्रीमियम, अगर हो तो उन्हें शामिल नहीं किया गया है।
- 3. निहित होने की तिथि (केवल तभी लागू, अगर पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि को बीमित व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष से कम हो): अगर पॉलिसी पूरी तरह से प्रभावी हो तथा निहित होने की तिथि तक बीमित व्यक्ति जीवित हो और इस निहित होने की तिथि से पहले पॉलिसी की धनराशि हेतु पात्र व्यक्ति से पॉलिसी को अभ्यर्पण करने के लिए लिखित में अनुरोध प्राप्त नहीं होता है तो निहित होने की इस तिथि को अर्थात 18 वर्ष की उम्र पूरी होने से मेल खाने वाली पॉलिसी वर्षगांठ को या उसके तुरन्त बाद पॉलिसी बीमित व्यक्ति को स्वतः निहित हो जाएगी और इस प्रकार निहित होने को निगम और बीमित व्यक्ति के बीच करार माना जाएगा। बीमित व्यक्ति को पॉलिसी का सम्पूर्ण मालिक माना जाएगा तथा प्रस्तावक या उसके एस्टेट का उसमें कोई हित या अधिकार नहीं होगा।

4. राइडर हितलाभ

अ. एलआईसी का दर्घटनात्मक मृत्यु तथा विकलांगता हितलाभ राइडर (UIN:512B209V01) (अगर चुना गया हो): इस पॉलिसी के प्रयोजन हेतु दुर्घटना "बाह्य हिंसक तथा दृश्य माध्यमों से अचानक, अनपेक्षित और अनैच्छिक रूप से होने वाली घटना" के रूप में परिभाषित किया गया है।

अगर एलआईसी का दुर्घटनात्मक मृत्यु तथा विकलांगता हितलाभ राइडर अतिरिक्त प्रीमियम के भुगतान पर उपलब्ध है। पॉलिसी के अंतर्गत यह हितलाभ अवयस्कों के जीवन पर बीमित व्यक्ति की अवयस्कता के दौरान उपलब्ध नहीं होगा।

उपरोक्त उल्लेख के अधीन, प्रभावी पॉलिसी के अंतर्गत, एलआईसी के दुर्घटनात्मक मृत्यु तथा विकलांगता हितलाभ राइडर को पॉलिसी के अंतर्गत कभी भी चुना जा सकता है, बशर्त मूल पॉलिसी की प्रीमियम भूगतान की कम से कम 5 वर्ष की अवधि शेष हो। जहां कहीं भी पॉलिसी के अंतर्गत इस राइडर को चुना गया है, इस राइडर के अंतर्गत संरक्षित हितलाभ पूरी पॉलिसी अविध के दौरान या उस पॉलिसी वर्षगांठ तक जब बीमित व्यक्ति की उम्र नजदीकी जन्मदिन पर 70 वर्ष की हो, जो भी पहले हो, तक उपलब्ध होंगे, बशर्तें दुर्घटना की तिथि को पॉलिसी पूरी बीमा राशि के लिए पभावी हो।

इस पॉलिसी के अंतर्गत सभी प्रीमियमों का भूगतान करने के बाद या उस 70 वर्ष की होती है, जो भी पहले हो, इस राइडर के लिए अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन, मूल पॉलिसी, जिससे यह राइडर संलग्न है, के लिए प्रीमियम का भुगतान 70 वर्ष की उम्र के बाद भी, प्रीमियम भुगतान अविध की समाप्ति तक, जहां कहीं भी लागू हो,

दुर्घटना हितलाभ सहित सभी पॉलिसियों के अंतर्गत जिसमें भारतीय जीवन बीमा निगम से उसी व्यक्ति के जीवन पर जिस पर निम्नलिखित हितलाभ लागू हो, व्यक्तिगत पॉलिसियों तथा समूह पॉलिसियों के अंतर्गत अंतर्निहित दुर्घटना हितलाभ किसी भी घटना के लिए ₹100 लाख की दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि से अधिक नहीं होगा। अगर एक से अधिक पॉलिसियां हों तथा कूल दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि ₹100 लाख से अधिक हो तो पॉलिसियों ज को जारी करने की तिथि के क्रम से प्रथम ₹100 लाख की दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि लागू होगी।

अगर इस पॉलिसी के पूरी बीमा राशि के लिए प्रभावी रहने के दौरान किसी समय बीमित व्यक्ति किसी दुर्घटना का शिकार होता है तथा उसके जख्मी होने के 180 दिनों के अंदर, पूर्णत: इसी प्रत्यक्ष कारण से जो कि सभी दूसरे कारणों से स्वतंत्र हो, (अ) या तो स्थायी एवं पूर्ण विकलांगता या शिकार होता है या (ब) उसकी मृत्यु हो जाती है, जो कि निगम के लिए संतोषजनक रुप से प्रमाणित हो, तो निगम निम्नलिखित के लिए सहमत है:

(अ). बीमित व्यक्ति की विकलांगता: (i) इस पॉलिसी के अंतर्गत 10 वर्षों की अवधि में समान मासिक किस्तों में दर्घटना हितलाभ बीमा राशि के समान अतिरिक्त राशि का भूगतान करना, अगर 10 वर्ष की कथित अवधि की समाप्ति से पहले मृत्यु या परिपक्वता के कारण पॉलिसी के अंतर्गत दावा उत्पन्न होता है, तो विकलांगता हितलाभ की किस्तों का जो कि देय नहीं हुई हो, दावे के साथ भुगतान किया जाएगा तथा (ii) पॉलिसी के अंतर्गत भविष्य में लिए जाने वाले दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि की सीमा तक के प्रीमियमों, अगर कोई हों, की माफ कर दिया जाएगा (मूल पॉलिसी) किसी अन्य राइडर के लिए प्रीमियम, अगर चुना गया हो, का भुगतान जारी रखना पड़ेगा।

प्रीमियम की माफी, इस पॉलिसी के अंतर्गत सभी विकल्पों के तथा इस क्लॉज के 4.A.(b) के द्वारा संरक्षित हितलाभों को समाप्त कर देगी, सिवाय ऐसे आश्वासनों के, अगर कोई हों, जो कि बीमित व्यक्ति की सभी मौजूदा पॉलिसियों के अंतर्गत कुल दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि के ऊपर हों, जिन्हें प्रीमियमों के निरन्तर भुगतान के द्वारा प्रभावी रखा गया हो।

ऊपर संदर्भित विकलांगता, ऐसी विकलांगता होनी चाहिए जो किसी 'द्र्घटना का परिणाम हो तथा पूर्ण व स्थायी होनी चाहिए। दुर्घटनात्मक चोट जो अन्य सभी कारणों से स्वतंत्र तथा दुर्घटना के होने से 180 दिनों के अंदर ऐसी विकलांगता का कारण बने, जिससे बीमित व्यक्ति, दैनिक जीवन (नीचे परिभाषित) की निम्नलिखित गतिविधियों में से कम से कम 4 (चार) को बिना किसी बाहरी मदद/समर्थन, जिसमें यांत्रिक उपकरण, विशेष साधन या अन्य मदद भी शामिल है, को करने से स्थायी रुप से असमर्थ हो, को पूर्ण तथा स्थायी विकलांगता माना जाएगा। निगम द्वारा अधिकृत चिकित्सक द्वारा बीमित जीवन की जांच करके उसका विकलांगता को पूर्ण व स्थायी के रूप में प्रमाणित किया जाएगा

of Absolute amount assured to be paid on death i.e. Basic Sum

This Death Benefit shall not be less than 105% of the total Premiums paid excluding extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and Rider Premium(s), if any, as on date of

3. Date of Vesting (Applicable only if the age of the Life Assured is below 18 years on the date of commencement of policy): If the Life Assured is alive on the vesting date and if a request in writing for surrendering the policy has not been received by Corporation before such vesting date from the person entitled to the policy moneys, this policy shall automatically vest in the Life Assured on such vesting date i.e. on the policy anniversary coinciding with or immediately following the completion of 18 years of age and shall on such vesting be deemed to be a contract between the Corporation and the Life Assured. The Life Assured shall become the absolute owner of the policy and the proposer or his estate shall cease to have any right or interest therein

4. Rider Benefits:

A. LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider (UIN: 512B209V01) (if opted): An 'Accident' for the purpose of this policy is defined as "An Accident is a sudden, unforeseen and involuntary event caused by external, violent and visible

LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider is available on payment of additional premium. This benefit will not be available under the policy on the life of minors, during minority of the Life Assured. However, this Rider will be available from the policy anniversary following completion of age 18 years on receipt of specific request and payment of additional premium, if found eligible as per the underwriting rules of the Corporation.

Subject to as stated above, under an inforce policy the Accidental Death and Disability Benefit Rider can be opted for at any time within the Premium Paying Term of the Base Policy provided the outstanding Premium Paying Term of the Base Policy is atleast 5 years. Wherever this rider has been opted for under the policy, the benefits covered under this Rider will be available during the policy term or upto the policy anniversary on which the age nearer birthday of the Life Assured is 70 years, whichever is earlier, provided the Policy is in force for the full Sum Assured as on date of accident.

The additional premium for this Rider will not be required to be paid after all premiums under this Policy have been paid or on and after the policy anniversary on which the age nearer birthday of the Life Assured is 70 years, whichever is earlier. However, the premium under the Base Policy with which this rider is attached shall continue to be paid beyond age 70 years till the end of Premium Paving Term, wherever applicable.

The maximum aggregate limit of assurance under all policies including policies with in-built Accident Benefit taken with Life Insurance Corporation of India under individual policies as well as group policies on the same life to which following benefits apply shall not in any event exceed Rs.100 lakhs of Accident Benefit Sum Assured. If there be more policies than one and if the total Accident Benefit Sum Assured exceeds Rs.100 lakhs. the benefits shall apply to the first Rs. 100 lakhs Accident Benefit Sum Assured in order of date of policies issued

If the Life assured is involved in an accident at any time when this Policy is in force for the full Sum Assured, and such injury shall within 180 days of its occurrence solely, directly and independently of all other causes result in (a) either permanent and total disability, as hereinafter defined or (b) death of the Life assured and the same is proved to the satisfaction of the Corporation, the Corporation agrees in case of:

(a). Disability to the Life Assured: (i) pay additional sum equal to the Accident Benefit Sum Assured in equal monthly instalments spread over 10 years under this Policy. If the policy becomes a claim by the way of death or maturity before the expiry of the said period of 10 years, the disability benefit instalments which have not fallen due will be paid along with the claim and (ii) waive the payment of future premiums chargeable, if any, under the policy (including the premium under Base Policy) to the extent of Accident Benefit Sum Assured. The premium for any other Rider, if opted for, shall continue to be paid.

The waiver of premium shall extinguish all options under this policy and the benefits covered by 4.A.(b) of this clause except as to such assurances, if any, as exceeds the total accident benefit sum assured under all the existing policies of the life assured and which may have been kept in force by continued payment of premiums.

The disability above referred to must be disability which is the result of an 'Accident' and must be total and permanent. Accidental injuries which independently of all other causes and within 180 days from the happening of such accident result in such disability due to which life assured is unable to perform at least 4 (four) of the following Activities of Daily Living (defined below) permanently without any external help/support including the use of mechanical equipment, special devices or other aids, then such disability shall be treated as Total and Permanent. Medical Examiner authorized by the Corporation shall examine the life assured to certify the disability as Total and Permanent.

The Activities of Daily Living are:

- Dressing the ability to put on and take off all necessary garments, artificial limbs or other surgical appliances that are medically necessary
- Washing the ability to wash to maintain an adequate level of cleanliness and personal hygiene

परिशिष्ट IV

कुल अदा किए गए प्रीमियमों पर लागू गारंटीड सरेन्डर मूल्य घटक							
पॉलिसी अवधि (प्रीमियम भुगतान अवधि)>							
		16 (10)	21(15)	25 (16)			
	1	0.00%	0.00%	0.00%			
	2	0.00%	0.00%	0.00%			
	3	30.00%	30.00%	30.00%			
	4	50.00%	50.00%	50.00%			
	5	50.00%	50.00%	50.00%			
	6	50.00%	50.00%	50.00%			
	7	50.00%	50.00%	50.00%			
	8	53.75%	52.30%	51.80%			
	9	57.50%	54.60%	53.50%			
	10	61.25%	56.90%	55.30%			
	11	65.00%	59.20%	57.10%			
वर्ष	12	68.75%	61.50%	58.80%			
गॅलिसी वर्ष	13	72.50%	63.80%	60.60%			
Ą.	14	76.25%	66.20%	62.40%			
	15	80.00%	68.50%	64.10%			
	16	80.00%	70.80%	65.90%			
	17		73.10%	67.60%			
	18		75.40%	69.40%			
	19		77.70%	71.20%			
	20		80.00%	72.90%			
	21		80.00%	74.70%			
	22			76.50%			
	23			78.20%			
	24			80.00%			
	25			80.00%			

परिशिष्ट V

	निहित	ा बोनसों पर लागृ	्गारंटीड सरेन्डर	मूल्य घटक		
पॉलिसी अवधि (प्रीमियम भुगतान अवधि)>						
		16 (10)	21(15)	25 (16)		
	1	0.00%	0.00%	0.00%		
	2	0.00%	0.00%	0.00%		
	3	17.58%	15.93%	15.28%		
	4	17.66%	16.22%	15.42%		
	5	17.85%	16.58%	15.55%		
	6	18.16%	17.03%	15.72%		
	7	18.60%	17.58%	15.93%		
	8	19.18%	17.58%	16.22%		
	9	19.93%	17.66%	16.58%		
	10	20.85%	17.85%	17.03%		
	11	21.99%	18.16%	17.58%		
멸	12	23.38%	18.60%	17.58%		
पॉलिसी वर्ष	13	25.05%	19.18%	17.66%		
重	14	27.06%	19.93%	17.85%		
	15	30.00%	20.85%	18.16%		
	16	35.00%	21.99%	18.60%		
	17		23.38%	19.18%		
	18		25.05%	19.93%		
	19		27.06%	20.85%		
	20		30.00%	21.99%		
	21		35.00%	23.38%		
	22			25.05%		
	23			27.06%		
	24			30.00%		
	25			35.00%		

Annexure - IV

Guaranteed Surrender Value factors applicable to total premiums paid						
	Policy Term (Premium Paying Term)>					
		16 (10)	21(15)	25 (16)		
	1	0.00%	0.00%	0.00%		
	2	0.00%	0.00%	0.00%		
	3	30.00%	30.00%	30.00%		
	4	50.00%	50.00%	50.00%		
	5	50.00%	50.00%	50.00%		
	6	50.00%	50.00%	50.00%		
	7	50.00%	50.00%	50.00%		
	8	53.75%	52.30%	51.80%		
	9	57.50%	54.60%	53.50%		
	10	61.25%	56.90%	55.30%		
	11	65.00%	59.20%	57.10%		
ear	12	68.75%	61.50%	58.80%		
Policy Year	13	72.50%	63.80%	60.60%		
Po	14	76.25%	66.20%	62.40%		
	15	80.00%	68.50%	64.10%		
	16	80.00%	70.80%	65.90%		
	17		73.10%	67.60%		
	18		75.40%	69.40%		
	19		77.70%	71.20%		
	20		80.00%	72.90%		
	21		80.00%	74.70%		
	22			76.50%		
	23			78.20%		
	24			80.00%		
	25			80.00%		

exure (ed Surrende	r Value factor	rs applicable			
to vested bonuses							
	Policy Term (Premium Paying Term)>						
		16 (10)	21(15)	25 (16)			
	1	0.00%	0.00%	0.00%			
	2	0.00%	0.00%	0.00%			
	3	17.58%	15.93%	15.28%			
	4	17.66%	16.22%	15.42%			
	5	17.85%	16.58%	15.55%			
	6	18.16%	17.03%	15.72%			
	7	18.60%	17.58%	15.93%			
	8	19.18%	17.58%	16.22%			
	9	19.93%	17.66%	16.58%			
	10	20.85%	17.85%	17.03%			
	11	21.99%	18.16%	17.58%			
ear	12	23.38%	18.60%	17.58%			
Policy Year	13	25.05%	19.18%	17.66%			
Po	14	27.06%	19.93%	17.85%			
	15	30.00%	20.85%	18.16%			
	16	35.00%	21.99%	18.60%			
	17		23.38%	19.18%			
	18		25.05%	19.93%			
	19		27.06%	20.85%			
	20		30.00%	21.99%			
	21		35.00%	23.38%			
	22			25.05%			
	23			27.06%			
	24			30.00%			
	25			35.00%			

शर्त यह है कि, जहां बीमा कानून (संशोधन) अध्यादेश, 2015 के आरंम होने से पहले बीमित व्यक्ति के पत्नी या उसकी पत्नी तथा बच्चों या उनमें से किसी के पक्ष में अभिव्यक्त रूप से नामांकन किया गया हो, चाहे वह पॉलिसी पर अंकित हो या नहीं, जैसा कि इस धारा के अंतर्गत किया गया है, कथित धारा 6 पॉलिसी पर लागू नहीं मानी जाएगी या लागू नहीं होगी।

परिशिष्ट ॥

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 के अनुसार धारा 45 :

- जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी की तिथि से अर्थात पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुर्नचलन की तिथि से या पॉलिसी पर राइडर की तिथि से तीन वर्षों की समाप्ति पर, जो भी बाद में हो, किसी भी आधार पर प्रश्न के लिए बूलाया नहीं जा सकता है।
- जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम आरंभ होने की तिथि या पॉलिसी के पुर्नचलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर किसी भी समय, जो भी बाद की तिथी हो, धोखाधड़ी के आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है।

बशर्ते बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या अभ्यर्पितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर यह फैसला लिया गया है।

स्पष्टीकरण ।: इस उप-धारा के प्रयोजन हेतु, "धोखेधड़ी" का अर्थ है बीमाधारक या उसके एजेन्ट द्वारा बीमाकर्ता को धोखा देने या बीमाकर्ता को जीवन बीमा पॉलिसी जारी करने के लिए प्रभावित करने के इरादे से किया गया निम्नलिखित में से कोई कार्यः

- अ. सुझाव, जिसका तथ्य सही नहीं है तथा जिसकी सत्यता पर बीमाधारक को विश्वास नहीं है:
- ब. बीमाधारक द्वारा किसी तथ्य को छिपाना, जो उसकी जानकारी में था या उसकी वास्तविकता पर उसे विश्वास था;
- स. धोखेधड़ी के इरादे से उठाया गया कोई अन्य कदम; तथा
- कोई अन्य ऐसा कदम या भूल-चूक जिसे कानून विशेष रूप से धोखाधड़ी मानता हो।

स्पष्टीकरण ॥: बीमाकर्ता द्वारा जोखिम के आंकलन को प्रभावित करने वाले तथ्यों के बारे में सिर्फ़ चुप रहना धोखाधड़ी नहीं है, जब तक कि मामले की परिस्थितियां ऐसी हों, कि बीमाधारक या उसके एजेन्ट का यह कर्तव्य हो कि बोलने से चुप रहना या अन्यथा उसकी खामोशी अपने आप में बोलने के तल्य हो।

3. उपधारा (2) में कुछ भी निहित होने के बावजूद, कोई भी बीमाकर्ता किसी जीवन बीमा पॉलिसी को धोखेधड़ी के आधार पर अस्वीकृत नहीं कर सकता है, अगर बीमाधारक/लाभार्थी यह प्रमाणित कर सके कि उसके द्वारा की गई गलतबयानी उसकी अधिकतम जानकारी के अनुसार सही थी और उसने जानबूझकर तथ्यों को छिपाने की कोशिश नहीं की या कथित गलतबयानी या महत्त्वपूर्ण तथ्य को छिपाया जाना बीमाकर्ता की जानकारी में था।

धोखेधड़ी के मामले में इसे गलत साबित करने का दायित्व लामार्थियों पर है अगर पॉलिसीधारक जीवित नहीं है।

स्पष्टीकरण – कोई व्यक्ति जो बीमा की संविदा का आग्रह और उसकी सौदेबाजी करता है उसे संविदा के प्रयोजन के लिए बीमाकर्ता का एजेन्ट माना जाएगा।

4. जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को पॉलिसी के जारी करने की तिथि से या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुर्नचलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर, जो भी बाद में हो, किसी भी समय, इस आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है कि बीमित व्यक्ति के जीवनकाल से संबंधित किसी तथ्य को प्रस्ताव प्रपत्र में या किसी अन्य कागजात में, जिसके आधार पर पॉलिसी जारी की गई थी या पुर्नचलन की गई थी या राइडर जारी किया गया था, छिपाया गया था या गलत दिखाया गया था।

शर्त यह है कि बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामांकित व्यक्तियों या अभ्यर्पितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर जीवन बीमा को पॉलिसी को अस्वीकृत करने का यह फैसला लिया गया है।

आगे शर्त यह है कि महत्त्वपूर्ण तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने के आधार पर पॉलिसी को अस्वीकृत किए जाने तथा धोखेधड़ी की स्थिति न होने पर, अस्वीकृति की तिथि तक पॉलिसी पर जमा किए गए सभी प्रीमियमों का भुगतान बीमाधारक या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या अभ्यर्पितों को ऐसी अस्वीकृति की तिथि से नब्बे दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण – इस उप-धारा के प्रयोजन हेतु, किसी तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने को तब तक महत्त्वपूर्ण नहीं माना जाएगा, जब तक कि उसका बीमाकर्ता द्वारा स्वीकार किए गए जोखिम पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव न हो, यह प्रमाणित करने का दायित्व बीमाकर्ता का होगा कि अगर बीमाकर्ता को स्थापित तथ्य की जानकारी होती तो वह बीमाधारक को यह जीवन बीमा पॉलिसी जारी नहीं करता।

5. इस धारा में निहित कुछ भी बीमाकर्ता को किसी भी समय उम्र का प्रमाण मांगने से नहीं रोकती है, अगर वह इसके लिए अधिकृत है तथा किसी पॉलिसी की सिर्फ़ इसलिए प्रश्न के लिए बुलाया नहीं जा सकता है क्योंकि प्रस्ताव में गलत उल्लेख की गई बीमित व्यक्ति की उम्र को सबूत के आधार पर बाद में समायोजित किया गया था। Provided that where a nomination made whether before or after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015, in favour of the wife of the person who has insured his life or of his wife and children or any of them is expressed, whether or not on the face of the policy, as being made under this section, the said section 6 shall be deemed not to apply or not to have applied to the policy.

Annexure III

Section- 45 as per Insurance Act, 1938, as amended by Insurance Laws (Amendment) Act. 2015

- No policy of life insurance shall be called in question on any ground whatsoever after the expiry of three years from the date of the policy, i.e. from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later.
- A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later on the ground of fraud:

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision is based.

Explanation I.-For the purposes of this sub-section, the expression "fraud" means any of the following acts committed by the insured or by his agent, with the intent to deceive the insurer or to induce the insurer to issue a life insurance policy:-

- a) the suggestion, as a fact of that which is not true and which the insured does not believe to be true;
- the active concealment of a fact by the insured having knowledge or belief of the fact:
- c) any other act fitted to deceive; and
- d) any such act or omission as the law specially declares to be fraudulent.

Explanation II- Mere silence as to facts likely to affect the assessment of the risk by the insurer is not fraud, unless the circumstances of the case are such that regard being had to them, it is the duty of the insured or his agent, keeping silence to speak, or unless his silence is, in itself, equivalent to speak.

3. Notwithstanding anything contained in subsection (2), no insurer shall repudiate a life insurance policy on the ground of fraud if the insured can prove that the misstatement of or suppression of a material fact was true to the best of his knowledge and belief or that there was no deliberate intention to suppress the fact or that such misstatement of or suppression of a material fact are within the knowledge of the insurer:

Provided that in case of fraud, the onus of disproving lies upon the beneficiaries, in case the policyholder is not alive.

Explanation – A person who solicits and negotiates a contract of insurance shall be deemed for the purpose of the formation of the contract, to be the agent of the insurer.

4. A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later, on the ground that any statement of or suppression of a fact material to the expectancy of the life of the insured was incorrectly made in the proposal or other document on the basis of which the policy was issued or revived or rider issued.

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision to repudiate the policy of life insurance is based:

Provided further that in case of repudiation of the policy on the ground of misstatement or suppression of a material fact, and not on the ground of fraud the premiums collected on the policy till the date of repudiation shall be paid to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured within a period of ninety days from the date of such repudiation.

Explanation. - For the purposes of this sub-section, the misstatement of or suppression of fact shall not be considered material unless it has a direct bearing on the risk undertaken by the insurer, the onus is on the insurer to show that had the insurer been aware of the said fact no life insurance policy would have been issued to the insured.

5. Nothing in this section shall prevent the insurer from calling for proof of age at any time if he is entitled to do so, and no policy shall be deemed to be called in question merely because the terms of the policy are adjusted on subsequent proof that the age of the life insured was incorrectly stated in the proposal. दैनिक जीवन की गतिविधियां ये हैं:

- प्रसाधन सभी आवश्यक वस्त्र, कृत्रिम अंग या अन्य सर्जिकल उपकरणों को, जो कि चिकित्सीय दृष्टि से जरूरी हो, पहनने और उतारने की क्षमता
- धुलाई अपनी स्वच्छता तथा आरोग्य को उचित रुप से बनाए रखने के लिए नहाने-धोने की योग्यता
- भोजन करना भोजन उपलब्ध होने पर उसे थाली या कटोरी से लेकर मूंह में डालने की योग्यता
- शौच क्रिया शौचालय का इस्तेमाल करने की योग्यता या अन्य तरीके से मल-मूत्र त्याग करने की क्षमता तािक निजी स्वच्छता का संतोषजनक स्तर बना रहे
- गतिशीलता घर में समतल स्थान पर एक कमरे से दूसरे कमरे तक जाने की योग्यता
- स्थानान्तरण बिस्तर से उठकर कुर्सी या व्हील चेयर पर बैठने तथा इसकी विपरीत गतिविधि की क्षमता

उपरोक्त बातों के बाबजूद, दुर्घटना के कारण लगी चोट से अगर अन्य सभी कारणों से स्वतंत्र तथा ऐसी दुर्घटना के होने से 180 दिनों के अंदर, दोनों आंखों की सम्पूर्ण दृष्टि की असंशोध्य हानि या दोनों हाथों का कलाई या इसके ऊपर से विच्छेदन या दोनों पैरों का टखनों या इसके ऊपर से तथा एक पैर का टखने या इसके ऊपर से विच्छेदन हो तो उसे भी ऐसी विकलांगता

विकलांगता के घटित होने के बाद, इसके 90 दिनों के अंदर निगम के इस पॉलिसी को सेवा प्रदान करने वाले कार्यालय में लिखित रुप से बीमित व्यक्ति के पते तथा मौजूदगी के स्थान का विवरण उपयुक्त तरीके से विकलांगता के प्रमाण के साथ जो कि निगम के लिए संतोषजनक हो, निगम के खर्चे के बिना देनी होगी। सूचना मिलने पर निगम द्वारा अधिकृत चिकित्सक के द्वारा बीमित व्यक्ति की जांच की जाएगी तथा विकलांगता के दावे को प्रमाणित किया जाएगा। इसके अलावा, अगर आवश्यक हो तो मामले के अनुसार विकलांगता की निरन्तरता को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सीय जांच की जा सकती है। अगर किसी भी समय पर ज्ञात होता है कि इस क्लॉज के अंतर्गत दावे को गलत तरीके के स्वीकार किया गया है, तो इस बारे में निगम को सूचित किए जाने की तिथि के बाद देय सभी प्रीमियमों का देय तिथियों को भूगतान करना होगा और सभी प्रीमियमों जिनके लिए माफी का गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया था तथा अतिरिक्त बीमा राशि की सभी किस्तें, जिनका भूगतान बीमित व्यक्ति को किया गया था, निगम को एकम्श्त रकम के रुप समय-समय पर निगम द्वारा निर्धारित दर पर निगम को लौटानी होगी। जैसे कि कोई विकलांगता हुई ही न हो, जिसमें असफल होने पर

- (i) पॉलिसी के अंतर्गत उपलब्ध हितलामों को इस प्रकार घटा दिया जाएगा, जैसे कि प्रीमियमों की माफी की तिथि को पॉलिसी को स्थगित किया गया हो या अतिरिक्त बीमाराशि की पहली किस्त के भुगतान की तिथि को, जो भी पहले हो तथा
- (ii) अतिरिक्त बीमा राशि की अदा की जा चुकी किस्तों को उक्त पॉलिसी पर ऋण माना जाएगा तथा पॉलिसी की धनराशि से समय-समय पर निगम द्वारा निर्धारित दर से ब्याज के साथ काट लिया जाएगा।

यह मानते हुए कि कोई विकलांगता नहीं है अतिरिक्त दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि के लिए कोई अन्य किस्त/तें देय नहीं होगी।

- (ब). बीमित व्यक्ति की मृत्यु: मूल पॉलिसी के अंतर्गत मृत्यु हितलाभ के अलावा, इस पॉलिसी के अंतर्गत दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि के समान अंतिरिक्त राशि का भुगतान किया जाएगा। लेकिन पॉलिसी दुर्घटना के समय प्रभावी होनी चाहिए। भले ही वह मृत्यु के समय प्रभावी हो या न हो।
 - अगर बीमित व्यक्ति की मृत्यु निम्न कारणों से हो, तो निगम द्वारा ऊपर उल्लेख की गई अतिरिक्त बीमा राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा।
 - (i) जानबूझकर खुद को जख्मी करना, आत्महत्या की कोशिश, मानसिक रूप से अस्वस्थता या व्याभिचार या बीमित व्यक्ति नशे या मादक द्रव, ड्रग या नार्कोटिक के प्रभाव में हो (अगर डॉक्टर द्वारा उपचार के अंतर्गत प्रेस्क्राइब न किया गया हो); या
 - (ii) दंगे, जन विद्रोह, बगावत, युद्ध (चाहे घोषित किया गया हो या नहीं), आक्रमण, शिकार, पर्वतारोहण, स्टीपल चेजिंग, किसी प्रकार की रेस, पैराग्लायिंडंग या पैराशूटिंग, एडवेन्चर्स स्पोर्ट्स में भाग लेना; या
 - (iii) बीमित व्यक्ति द्वारा किसी आपराधिक इरादे के साथ कोई आपराधिक कार्य करना: या
 - (iv)(अ)बीमित व्यक्ति के सशस्त्र बल या सैन्य सेवा में रोजगार के कारण उत्पन्न। यह अपवर्जन उस समय लागू नहीं है अगर बीमित व्यक्ति उस समय दुर्घटनाग्रस्त होता है जब वह ड्यूटी पर नहीं था या हमारे देश में किसी प्राकृतिक आपदा का मुकाबला करते समय किसी राहत कार्य में शामिल था, या
 - (ब) अर्द्धसैनिक बल को छोड़कर किसी पुलिस संगठन में पुलिस ड्यूटी में शामिल होने के कारण (जिसमें प्रशासनिक कार्यभार शामिल नहीं है)। यह अपवर्जन तब लागू नहीं है जब पुलिस ड्यूटी में शामिल होने के कारण दुर्घटना के लिए दुर्घटनात्मक मृत्यु तथा अशक्तता हितलाभ संरक्षण के विकल्प को चुना गया हो; या
 - (V) बीमित व्यक्ति की दुर्घटना की तिथि से 180 दिनों के बाद घटित होना।

मूल पॉलिसी के अभ्यर्पण पर देय हितलाभ: यह राइडर कोई चुकता मूल्य प्राप्त नहीं करेगा तथा इस राइडर के अंतर्गत कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा. लेकिन अगर इस राइडर को चुना गया हो और उस मूल पॉलिसी को अभ्यर्पण किए जाने पर, जिससे यह राइडर जुडा हो, बशतें इस राइडर तथा मूल पॉलिसी से संबंधित सभी देय प्रीमियमों का भुगतान कर दिया गया हो तथा मूल पॉलिसी ने सरेन्डर मूल्य प्राप्त कर लिया हो, प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद संरक्षण के संबंध में लिया गया अतिरिक्त राइडर प्रीमियम निम्न अनुसार लौटा दिया जाएगा:

प्रीमियम भुगतान अविध के दौरान अभ्यर्पण की स्थिति में: 80%* (वार्षिकीकृत राइडर प्रीमियम प्रति ₹1000 दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि −1)* (दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि /1000)* (वर्षों की संख्या, जिनके लिए इस राइडर के संबंध में प्रीमियमों का भुगतान किया गया है)

- Feeding the ability to transfer food from a plate or bowl to the mouth once food has been prepared and made available
- Toileting the ability to use the lavatory or otherwise manage bowel and bladder functions so as to maintain a satisfactory level of personal hygiene
- Mobility the ability to move indoors from room to room on level surfaces at the normal place of residence
- Transferring the ability to move from a bed to an upright chair or wheel chair and vice versa

Notwithstanding what is mentioned above, Accidental injuries which independently of all other causes and within 180 days from the happening of such accident, result in the irrecoverable loss of the entire sight of both eyes or in the amputation of both hands at or above the wrists or in the amputation of both feet at or above ankles, or in the amputation of one hand at or above the wrist and one foot at or above the ankle, shall also be deemed to constitute such disability.

After the happening of the disability, full particulars thereof must be given in writing to the office of the Corporation where this Policy is serviced together with the then address and whereabouts of the Life Assured and within 90 days of the happening of the disability, must be given to the servicing Office of the Corporation, in the manner required by it, proof of disability satisfactory to the Corporation and without any expense to the Corporation. Medical Examiner authorized by the Corporation shall examine the Life Assured and certify in respect of any disability claimed after the intimation. Further, medical examination may be done to validate the continuity of disability on case to case basis, if required.

In the event of it being discovered at any time that a claim under this clause has been wrongly admitted, all premiums falling due after the date of the Corporation's intimation to that effect shall be paid on due dates and further all premiums for which waiver was wrongly claimed and all instalments of additional sum assured which have been paid to the life assured shall be returned to the Corporation in one lump sum with interest, at such rate as fixed by the Corporation from time to time as if no disability had occurred, failing which

- (i) the benefits available under the policy shall stand reduced as if the policy has been discontinued as on the date from which premiums have been waived or on the payment of the first instalment of the additional sum assured, whichever is earlier and
- (ii) the instalments of additional sum assured already paid shall be treated as a debt against the said policy and shall be deducted with interest at such rate as fixed by the Corporation from time to time from the proceeds of the policy.

No further instalment/s of additional Accident Benefit Sum Assured shall be payable considering as if no disability had occurred.

(b).Death of the Life Assured: In addition to Death Benefit under the Base Policy, an additional sum equal to the Accident Benefit Sum Assured shall be payable under this policy. However, the policy shall have to be in force at the time of accident irrespective of whether or not it is in force at the time of death.

The Corporation shall not be liable to pay the additional sum referred in (a) or (b) above, if the disability or the death of the Life Assured shall:

- be caused by intentional self injury, attempted suicide, insanity or immorality or whilst the Life Assured is under the influence or consumption of intoxicating liquor, narcotic or drug (unless prescribed by doctor as a part of treatment); or
- (ii) be caused by injuries resulting from taking any part in riots, civil commotion, rebellion, war (whether war be declared or not), invasion, hunting, mountaineering, steeple chasing, racing of any kind, paragliding or parachuting, taking part in adventurous sports; or
- (iii) result from the Life Assured committing any criminal act with criminal intent; or
- (iv) (a) arise from employment of the Life Assured in the armed forces or military service. This exclusion is not applicable if the Life Assured was involved in an accident when he is not on duty or was involved in any rescue operations while combating natural calamities in our country; or
 - (b) arise from being engaged in police duty (which excludes administrative assignments) in any police organization other than paramilitary forces. This exclusion is not applicable where the option to cover Accidental Death and Disability Benefit arising on accident while engaged in police duty, has been chosen; or
- (v) occur after 180 days from the date of accident of the Life

Benefits payable on surrender of Base Policy: This rider shall not acquire any Paid-up Value and no surrender value will be available under this rider. However, if this rider has been opted for and on surrender of the Base Policy to which this rider is attached, provided all the due premiums in respect of this rider and Base Policy have been paid and the Base Policy has acquired surrender value, additional rider premium charged in respect of cover after premium paying term shall be refunded as follows:

In case of Surrender during Premium Paying Term: 80% * (annualised rider premium per Rs. 1000 Accident Benefit Sum Assured – 1) * (Accident Benefit Sum Assured/1000) * (Number of years for which premiums in respect of this rider have been paid)

In case of Surrender after Premium Paying Term: 80% * (annualised rider premium per Rs. 1000 Accident Benefit Sum Assured – 1) *

प्रीमियम भुगतान अविध के बाद अभ्यर्पण की स्थिति में: 80%* (वार्षिकीकृत राइडर प्रीमियम प्रति ₹1000 दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि −1)* (दुर्घटना हितलाभ बीमा राशि /1000)* (राइडर के लिए प्रीमियम भुगतान अविध)* (पूर्ण वर्षों में राइडर के लिए प्रीमियम भगतान अविध – राइडर के लिए प्रीमियम भगतान अविध)

जहां कहीं भी वार्षिकीकृत राइडर प्रीमियम का उल्लेख किया गया है, उसमें कर शामिल नहीं है।

ब. एलआईसी का न्यू टर्म एश्योरेन्स राइडर (UIN: 512B209V01) (अगर चुना गया हो):

एलआईसी का न्यू टर्म एश्योरेन्स राइडर पॉलिसी के आरंम में अतिरिक्त प्रीमियम के भुगतान पर उपलब्ध है। इस राइडर के लिए अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान मूल पॉलिसी तथा किसी अन्य राइडर के प्रीमियम के साथ किया जाता है, अगर उसे पॉलिसी की प्रीमियम भुगतान अविध के दौरान चुना गया हो। अगर इस राइडर को चुना जाता है, जो पॉलिसी अविध के दौरान बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर, टर्म एश्योरेन्स बीमा राशि के समान अतिरिक्त राशि का भुगतान किया जाएगा, बशार्त राइडर कवर प्रभावी हो।

भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमित व्यक्ति की समस्त मौजूदा पॉलिसियों, जिसमें विचाराधीन नया प्रस्ताव भी शामिल है, के अंतर्गत सभी टर्म एश्योरेन्स राइडर्स के सिहत इस राइडर के लिए अधिकतम संरक्षण ₹25 लाख से अधिक हो तो हितलाम जारी की गई पॉलिसियों की तिथि के क्रम में प्रथम ₹25 लाख टर्म एश्योरेन्स राइडर बीमा राशि पर लागू होगा।

मूल पॉलिसी के अभ्यर्पण पर देय हितलाभ: यह राइडर कोई चुकता मूल्य प्राप्त नहीं करेगा तथा इस राइडर के अंतर्गत कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा। लेकिन अगर इस राइडर को चुना गया हो और उस मूल पॉलिसी को अभ्यर्पण किए जाने पर, जिससे यह राइडर जुड़ा हो, बशतें इस राइडर तथा मूल पॉलिसी से संबंधित सभी देय प्रीमियमों का भुगतान कर दिया गया हो तथा मूल पॉलिसी ने अभ्यर्पण मूल्य प्राप्त कर लिया हो, प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद संरक्षण के संबंध में लिया गया अतिरिक्त टर्म एश्योरेन्स राइडर प्रीमियम निम्न अनुसार लौटा दिया जाएगा:

प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान अभ्यर्पण की स्थिति में :

75%* d* (Pppt-Pn)* (टर्म एश्योरेन्स राइडर बीमा राशि/1000)

प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद अभ्यर्पण की स्थिति में:

75%* Pppt* (टर्म एश्योरेन्स राइडर बीमा राशि/1000)*(ppt/n)*(n-t)

Pppt = सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि के लिए प्रति ₹1000 टेबुलर वार्षिक प्रीमियम - आरंभ में टर्म एश्योरेन्स राइडर बीमा राशि

Pn = समतुल्य टेबुलर वार्षिक नियमित प्रीमियम प्रति ₹1000/- आरंभ में बीमित व्यक्ति की उम्र पर लागू टर्म एश्योरेन्स राइडर बीमा राशि तथा राइडर की अवधि n वर्ष

(उपरोक्त प्रीमियम में बीमालेखन निर्णयों के कारण पॉलिसी के अंतर्गत ली जानेवाली अतिरिक्त राशि शामिल नहीं है)

d = अभ्यर्पण की तिथि को पूर्ण वर्षों में समाप्त हुई पॉलिसी अवधि

n = राइडर की अवधि

ppt = राइडर की प्रीमियम भुगतान अविध

t = अभ्यर्पण की तिथि को नजदीकी पूर्ण वर्षों में समाप्त हुई पॉलिसी अवधि

5. लाभो में प्रतिभागिता: पॉलिसी के पूरी तरह से प्रभावी होने पर, निगम के अनुभव के आधार पर पॉलिसी समय-समय पर संशोधित एलआईसी अधिनियम 1956 की धारा 28 के प्रावधानों के अनुसार लाभो में प्रतिभागिता करेगी तथा यह पॉलिसी निगम द्वारा घोषित दर और शतों के अनुसार सरल प्रत्यावर्ती बोनस की पात्र होगी। सरल प्रत्यावर्ती बोनसों की घोषणा वार्षिक रूप में प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर की जाएगी, बशतों पॉलिसी पूरी तरह से प्रभावी हो। एक बार घोषित किए जाने पर वे प्लान के गारंटीड हितलाभों का हिस्सा होंगी। सरल प्रत्यावर्ती बोनसों को पॉलिसी के आरंभ होने की तिथि से चुनी हुई पॉलिसी अवधि या मृत्यु होने तक, जो भी पहले हो, जोड़ा जाएगा।

चुकता पॉलिसी के मामले में, निहित बोनसों का भुगतान तभी किया जाएगा, अगर कम से कम तीन पूरे वर्षों के प्रीमियम भरे गए हों।

अगर प्रीमियमों का विधिवत भुगतान नहीं किया गया हो तो पॉलिसी लाभो में प्रतिभागिता नहीं करेगी, चाहे पॉलिसी ने चुकता मूल्य प्राप्त किया हो या नहीं। अगर पॉलिसी को अभ्यर्पण किया जाता है, तो निहित बोनसों का सरेन्डर मूल्य, अगर कोई हो, सम्पर्पण की तिथि को जो भी लागू हो, इस पॉलिसी दस्तावेज के भाग द की शर्त सं. 4 में विनिर्धारित अनुसार देय होगा।

पॉलिसी के अंतर्गत अंतिम अतिरिक्त बोनस की घोषणा उस वर्ष की जा सकती है, जब मृत्यु या परिपक्वता के कारण दावे की स्थिति उत्पन्न हो।

चुकता पॉलिसियों के अंतर्गत अंतिम अतिरिक्त बोनस का भुगतान नहीं किया जाएगा।

6. प्रीमियम का भुगतान

- (अ). पॉलिसीधारक को इस पॉलिसी दस्तावेज की अनुसूची में विनिर्धारित देय तिथियों पर प्रीमियम का भुगतान सेवा कर तथा समय-समय पर लागू किसी अन्य कर के साथ करना होगा
- (ब). रियायत अवधि: प्रीमियम भुगतान के वार्षिक, छमाही या तिमाही माध्यमों के लिए एक कैलेन्डर माह या 30 दिनों तक की और मासिक प्रीमियमों के लिए 15 दिनों रियायती अवधि दी जाएगी। अगर रियायती के दिनों के समाप्त होने तक प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाता है, पॉलिसी कालातीत हो जाएगी। अगर बीमित व्यक्ति की मृत्यु रियायती अवधि के दौरान लेकिन तब देय प्रीमियम के भुगतान से पहले हो जाती है तो पॉलिसी मान्य रहेगी तथा उस प्रीमियम और पॉलिसी की अगती वर्षगांठ से पहले देय भुगतान न किए गए प्रीमियम को भी काटकर हितलाभों का भुगतान कर दिया जाएगा।
- (स). अगर पॉलिसी प्रभावी है और पॉलिसी के अंतर्गत बीमित व्यक्ति की मृत्यु के मामले में दावा दर्ज हुआ है, जहां प्रीमियम के भुगतान का माध्यम वार्षिक माध्यम से मिन्न है, अगर किन्हीं प्रीमियम्स का भुगतान मृत्यु के बाद नहीं किया गया है, और वे अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले देय होती हैं, तो उन्हें दावे की राशि से काट लिया जाएगा।

(Accident Benefit Sum Assured/1000) * (premium paying term of the rider) * (outstanding term for the rider in completed years / (Policy term in respect of this rider - Premium paying term of the rider))

Where annualised rider premium mentioned above excludes tax.

B. LIC's New Term Assurance Rider (UIN 512B210V01) (If Opted): -

LIC's New Term Assurance Rider is available at the inception of the policy on payment of additional premium. The additional premium for this Rider will need to be paid along with the premium of the Base Policy and any other rider, if opted for, during the premium paying term of the policy. If this rider is opted for, on death of the Life Assured during the policy term an additional amount equal to Term Assurance Rider Sum Assured shall be payable provided the rider cover is inforce.

The maximum cover for this rider shall be Rs. 25 lakhs taking all Term Assurance Riders under all existing policies of the Life Assured taken from Life Insurance Corporation of India including the new proposal under consideration. If there be more policies than one and if the total Term Assurance Rider Sum Assured exceeds Rs. 25 lakhs, the benefits shall apply to the first Rs. 25 lakhs Term Assurance Rider Sum Assured in order of date of policies issued.

Benefits payable on surrender of Base Policy: This rider shall not acquire any Paid-up Value and no surrender value will be available under this rider. However, if this rider has been opted for and on surrender of the Base Policy to which this rider is attached, provided all the due premiums in respect of this rider and Base Policy have been paid and the Base Policy has acquired surrender value, additional Term Assurance Rider premium charged in respect of Term Assurance Rider cover after premium paying term shall be refunded as follows:

In case of Surrender during Premium Paying Term:

75% * d* (Pppt-Pn)*(Term Assurance Rider Sum Assured/1000)

In case of Surrender after Premium Paying Term:

75% * Pppt *(Term Assurance Rider Sum Assured/1000)*(ppt/ n)*(n-t)

Where;

Pppt =Tabular annual premium for the limited premium paying term per Rs. 1000/- Term Assurance Rider Sum Assured at inception

Pn =Equivalent Tabular annual Regular premium per Rs. 1000/-Term Assurance Rider Sum Assured applicable to the Life Assured's age at inception and term of the rider being n years.

(Above Premiums excludes extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions.)

d = Policy duration elapsed in completed years as on date of

n=Term of the Rider

ppt=Premium paying term of the Rider

t=Policy duration elapsed in nearest completed years as on the date of surrender

5. Participation in profits: Provided the policy is inforce, depending upon the Corporation's experience the policy shall participate in profits in accordance with the provisions of Section 28 of LIC Act, 1956, as amended from time to time and this policy will be eligible for Simple Reversionary Bonus at such rate and on such terms as may be declared by the Corporation.

Simple Reversionary Bonuses shall be declared annually at the end of each financial year provided the policy is inforce. Once declared, they form part of the guaranteed benefit of the plan. Simple reversionary bonuses will be added from the date of commencement of policy until the selected policy term or till death, if it occurs earlier. In case the premiums shall not be duly paid, the policy shall cease to participate in future profits irrespective of whether or not the policy has acquired paid up value.

In the event of policy being surrendered, the Surrender Value of vested bonuses, if any, as applicable on the date of surrender, will be payable as specified in Condition 4 of Part D of this Policy document. Final Additional Bonus may also be declared under the policy in the year when the policy results into a claim either by death or maturity. Final Additional Bonus shall not be payable under paid up policies.

6. Payment of Premiums

(a). The policyholder has to pay the premium on the due dates as specified in the Schedule of this Policy Document alongwith Service Tax and or any other Tax as applicable from time to time.

(b).Grace period: A grace period of one month but not less than 30 days shall be allowed for payment of yearly or half-yearly or quarterly premiums and 15 days for monthly premiums. If the premium is not paid before the expiry of the days of grace, the Policy lapses.

If the death of the Life Assured occurs within the grace period but before the payment of the premium then due, the policy will still be valid and the benefits shall be paid after deductions of the said unpaid premium as also the balance premium (s), if any, falling due from the date of death and before the next policy anniversary.

(c). In case of death of Life Assured under an inforce policy where in all the premiums due till the date of death have been paid and where the mode of payment of premium is other than yearly, balance premium(s), if any, falling due from the date of death and before the next policy anniversary shall be deducted from the

<u>PART – D: CONDITIONS RELATED TO SERVICING ASPECTS</u>

1. **Proof of Age:** The premiums having been calculated on the age of the Life Assured as declared in the Proposal, in case the age is found

तक सीमित होगी तथा ऐसा पॉलिसीधारक उसी पॉलिसी के अंतर्गत देय शेष राशि के लिए पुनः अभ्यर्पण या अंतरण करने का पात्र नहीं होगा।

परिशिष्ट ॥

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 धारा 39 अनुसार

- जीवन बीमा की पॉलिसी का धारक अपने जीवन पर, पॉलिसी लेते समय या भुगतान हेतु पॉलिसी के परिपक्व होने से पहले किसी भी समय, किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को नामित कर सकता है, जिसे/जिन्हें उसकी मृत्यु की स्थिति में पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि का भुगतान किया जाएगा।
- शर्त यह है कि, अगर नामित व्यक्ति नाबालिंग हो, तो पॉलिसीधारक के लिए यह कानूनन उचित होगा कि बीमाकर्ता द्वारा निर्धारित तरीके से किसी व्यक्ति को नियुक्त करे जो कि नामित व्यक्ति के नाबालिंग रहने के दौरान पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि को प्राप्त कर सके।
- 2. ऐसे किसी नामांकन को प्रभावी होने के लिए, अगर वह पॉलिसी की शब्द योजना में निगमित नहीं है, तो उसे बीमित करने के लिए सूचित पॉलिसी पर पृष्ठांकन तथा पॉलिसी से संबंधित रिकॉर्ड्स में उसके द्वारा पंजीकरण के जिए निगमित किया जाएगा, तथा ऐसे कोई नामांकन पॉलिसी के पिरपक्व होने से पहले किसी भी समय भुगतान से पूर्व किसी पृष्ठांकन या वसीयत, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा रह किए या बदले जा सकते हैं, लेकिन अगर इस प्रकार निरस्तीकरण या परिवर्तन के लिए बीमांकर्ता को लिखित में सूचना न दी गई हो तो बीमांकर्ता पॉलिसी के अतंर्गत उसके द्वारा वास्तविक बनाए गए पॉलिसी की शब्द योजना में उल्लिखित या बीमांकर्ता के रिकॉर्ड्स में पंजीकृत नामांकित को किसी भुगतान के लिए दायी नहीं होगा।
- बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसीधारक को नामांकन के पंजीकृत कराए जाने या उसके निरस्तीकरण या बदले जाने के बारे में लिखित पावती देगा तथा विनियमों द्वारा विनिधारित ऐसे निरस्तीकरण या परिवर्तन को पंजीकृत करने के लिए शुल्क भी ले सकता है।
- 4. धारा 38 के अनुक्रम में पॉलिसी में किसी अंतरण या अभ्यर्पण से नामांकन स्वतः रद्व हो जाएगाः

शर्त यह है कि बीमाकर्ता को पॉलिसी का अभ्यर्पण, जो कि अभ्यर्पण के समय पॉलिसी पर जोखिम का वहन करता हो, उस बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसी की जमानत पर, उसके सरेन्डर मूल्य या पुन: अभ्यर्पण के अंतर्गत हो, ऋण स्वरूप की भरपाई करने पर नामांकन रह्न नहीं होगा, लेकिन नामित के अधिकार केवल उस हद तक प्रभावित होंगे, जितना कि पॉलिसी में बीमाकर्ता का हित हो:

आगे शर्त यह है कि पॉलिसीधारक को अंतरिति या अभ्यर्पिती द्वारा अग्रिम रूप से दिए गए ऋण के प्रतिफल स्वरूप पॉलिसी का अंतरण या अभ्यर्पण, चाहे यह पूर्णतः हो या अंशतः, नामांकन रद्द नहीं होगा, लेकिन नामांकित व्यक्ति के अधिकारों को उसी हद तक प्रभावित करेगा, जो कि पॉलिसी में अंतरिती या अभ्यर्पिती का हित होगाः

शर्त यह भी है कि नामांकन जो कि अंतरण या अभ्यर्पण पर उसके परिणामस्वरूप अपने आप रद्द हुआ हो, वह नामांकन अभ्यर्पिती द्वारा पुनः अभ्यर्पण या अंतरिती द्वारा ऋण के भुगतान पर सिवाय बीमाकर्ता को पॉलिसी की जमानत पर, पुनः अंतरण से स्वतः पुनः प्रचालित हो जाएगा।

- 5. जहां पॉलिसी की भुगतान हेतु पिरपक्वता उस व्यक्ति के जीवनकाल में होती है जिसके जीवन को बीमित किया गया है या अगर नामित व्यक्ति या एक से अधिक नामितों में से सभी पॉलिसी के भुगतान हेतु पिरपक्व होने से पहले मर जाते हैं, वहां पॉलिसी के अंतर्गत सुरक्षित राशि का भुगतान पॉलिसीधारक या उसके उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक को, जैसी भी स्थिति हो, किया जाएगा।
- 6. जहां एक या अधिक नामित हों तथा एक या एक से अधिक नामित, उस व्यक्ति के बाद जीवित रहते हैं, जिसके जीवन को बीमित किया गया है, तो पॉलिसी द्वारा सुरक्षित की गई राशि का भुगतान ऐसे उत्तरजीवी या उत्तरजीवियों को किया जाएगा।
- 7. इस धारा के अन्य प्रावधानों के अधीन, जहां बीमा पॉलिसी के धारक ने अपने जीवन पर अपने माता/पिता या अपने जीवनसाथी या अपने बच्चों या अपने जीवन साथी और बच्चों या उनमें से किसी को नामित किया हो, ऐसे नामित जप-धारा (6) के अंतर्गत बीमाकर्ता द्वारा देय राशि के लिए लामार्थी होंगे, जब तक कि यह साबित नहीं होता कि पॉलिसी का धारक, पॉलिसी में उसके टाइटल की प्रकृति के अनुसार नामांकित को ऐसा लामार्थी टाइटिल प्रदान नहीं कर सकता है।
- 8. उपरोक्त कहे गए के अधीन, जहां नामित या अगर एक से अधिक नामित हों, जिन पर उप-धारा (7) लागू होती है, पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि के भुगतान से पहले, लेकिन उस व्यक्ति जिसके जीवन के बीमित किया गया है, के बाद मर जाता है तो पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि या मरनेवाले नामित या नामितों (जैसी भी स्थिति हो) के हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि का भुगतान नामित या नामितों के उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक, जैसी भी स्थिति हो, को किया जाएगा तथा वे ऐसी राशि को पाने के लिए अधिकृत लाभार्थी होंगे।
- उप-धाराओं (7) और (8) में कुछ भी जीवन बीमा की किसी पॉलिसी की आमदिनयों से किसी उधारदाता के अधिकार को नष्ट या समाप्त नहीं करेगा।
- 10. उप-धाराओं (7) और (8) के प्रावधान बीमा कानून (संशोधन) अध्यादेश 2015 के आरंभ होने के बाद भुगतान के लिए परिपक्व होने वाली जीवन बीमा की सभी पॉलिसियों पर लागू होंगे।
- 11. जहां पॉलिसीधारक की मृत्यु पॉलिसी के परिपक्व होने के बाद हुई हो, लेकिन पॉलिसी की आय और हितलाभ का भुगतान उसे उसकी मृत्यु के कारण न हुए हों, तो उसके द्वारा नामित उसकी पॉलिसी के अंतर्गत आमदनी और हितलाभ को पाने का पात्र होगा।
- 12. इस धारा के प्रावधान जीवन बीमा की ऐसी किसी पॉलिसी पर लागू नहीं होंगे, जिस पर विवाहित स्त्री सम्पत्ति अधिनियम 1874 कि धारा 6 लागू होती हो या कभी लागू कि गई हो।

limited to the amount secured by partial assignment or transfer and such policyholder shall not be entitled to further assign or transfer the residual amount payable under the same policy.

Annexure - II

Nomination - As per section 39 of the Insurance Act, 1938, as amended by Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- The holder of a policy of life insurance on his own life may, when effecting the policy or at any time before the policy matures for payment, nominate the person or persons to whom the money secured by the policy shall be paid in the event of his death:
- Provided that, where any nominee is a minor, it shall be lawful for the policy holder to appoint any person in the manner laid down by the insurer, to receive the money secured by policy in the event of his death during the minority of the nominee.
- 2. Any such nomination in order to be effectual shall, unless it is incorporated in the text of the policy itself, be made by an endorsement on the policy communicated to the insurer and registered by him in the records relating to the policy and any such nomination may at any time before the policy matures for payment be cancelled or changed by an endorsement or a further endorsement or a will, as the case may be, but unless notice in writing of any such cancellation or change has been delivered to the insurer, the insurer shall not be liable for any payment under the policy made bonafide by him to a nominee mentioned in the text of the policy or registered in records of the insurer.
- The insurer shall furnish to the policy holder a written acknowledgement
 of having registered a nomination or a cancellation or change thereof,
 and may charge such fee as may be specified by regulations for
 registering such cancellation or change.
- 4. A transfer or assignment of a policy made in accordance with section 38 shall automatically cancel a nomination:

Provided that the assignment of a policy to the insurer who bears the risk on the policy at the time of the assignment, in consideration of a loan granted by that insurer on the security of the policy within its surrender value, or its reassignment on repayment of the loan shall not cancel a nomination, but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the insurer's interest in the policy:

Provided further that the transfer or assignment of a policy, whether wholly or in part, in consideration of a loan advanced by the transferee or assignee to the policyholder, shall not cancel the nomination but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the interest of the transferee or assignee, as the case may be, in the policy:

Provided also that the nomination, which has been automatically cancelled consequent upon the transfer or assignment, the same nomination shall stand automatically revived when the policy is reassigned by the assignee or retransferred by the transferee in favour of the policyholder on repayment of loan other than on a security of policy to the insurer.

- 5. Where the policy matures for payment during the lifetime of the person whose life is insured or where the nominee or, if there are more nominees than one, all the nominees die before the policy matures for payment, the amount secured by the policy shall be payable to the policyholder or his heirs or legal representatives or the holder of a succession certificate, as the case may be.
- Where the nominee or if there are more nominees than one, a nominee or nominees survive the person whose life is insured, the amount secured by the policy shall be payable to such survivor or survivors.
- 7. Subject to the other provisions of this section, where the holder of a policy of insurance on his own life nominates his parents, or his spouse, or his children, or his spouse and children, or any of them, the nominee or nominees shall be beneficially entitled to the amount payable by the insurer to him or them under sub-section (6) unless it is proved that the holder of the policy, having regard to the nature of his title to the policy, could not have conferred any such beneficial title on the nominee.
- 8. Subject as aforesaid, where the nominee, or if there are more nominees than one, a nominee or nominees, to whom sub-section (7) applies, die after the person whose life is insured but before the amount secured by the policy is paid, the amount secured by the policy, or so much of the amount secured by the policy as represents the share of the nominee or nominees so dying (as the case may be), shall be payable to the heirs or legal representatives of the nominee or nominees or the holder of a succession certificate, as the case may be, and they shall be beneficially entitled to such amount.
- Nothing in sub-sections (7) and (8) shall operate to destroy or impede the right of any creditor to be paid out of the proceeds of any policy of life insurance.
- 10. The provisions of sub-sections (7) and (8) shall apply to all policies of life insurance maturing for payment after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015.
- 11. Where a policyholder dies after the maturity of the policy but the proceeds and benefit of his policy has not been made to him because of his death, in such a case, his nominee shall be entitled to the proceeds and benefit of his policy.
- 12. The provisions of this section shall not apply to any policy of life insurance to which section 6 of the Married Women's Property Act, 1874, applies or has at any time applied:

परिशिष्ट

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 धारा 38 अनुसार

- 1. बीमा पॉलिसी का अंतरण या अभ्यर्पण, पूर्णतः या अंशतः प्रतिफलसहित या इसके बिना, केवल पॉलिसी पर ही पृष्ठांकन या अलग से इंस्ट्रूमेन्ट द्वारा किसी भी मामले में अंतरणकर्ता या अभ्यर्पणकर्ता या उनके अधिकृत एजेन्ट द्वारा किया जा सकता है, जिसे कम से कम एक साक्षी द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए, विशेष रूप से अंतरण या अभ्यर्पण के तथ्य और कारण, अभ्यर्पिती के पूर्ववृत्त और अभ्यर्पण की शर्तों का उल्लेख करते हुए।
- 2. बीमाकर्ता उप-धारा (1) के अंतर्गत किए गए किसी अंतरण या अभ्यर्पण को स्वीकार कर सकता है या किसी पृष्ठांकन को स्वीकार करने से मना कर सकता है, अगर उसके पास यह मानने का पर्याप्त कारण हो कि यह अंतरण या अभ्यर्पण वास्तविक नहीं है या पॉलिसीधारक के हित में या जनहित में नहीं है या बीमा पॉलिसी की टेडिंग के प्रयोजन हेत है ।
- 3. बीमाकर्ता, पृष्ठांकन पर अमल करने से इन्कार करने से पहले अपनी अस्वीकृति के कारण को लिखित में दर्ज करेगा तथा पॉलिसीधारक द्वारा ऐसे अंतरण या अभ्यर्पण का नोटिस देने की तिथि से 30 दिनों के अंदर ऐसी अस्वीकृति से पॉलिसीधारक को सूचित करेगा।
- 4. बीमाधारक द्वारा ऐसे अंतरण या पृष्ठांकन पर अमल करने से इन्कार करने से प्रभावित कोई व्यक्ति बीमाकर्ता से कारण सिंहत इन्कार की सूचना मिलने की तिथि से 30 दिनों के अंदर प्राधिकारी के पास अपना दावा रख सकता है।
- 5. उप-धारा (2) के प्रावधानों के अधीन, अंतरण या अभ्यर्पण पूर्ण होगा तथा ऐसे पृष्ठांकन या विधिवत सत्यापित इंस्ट्रूमेन्ट पर अमल प्रभावी होगा, सिवाय वहां जहां अंतरण या अभ्यर्पण बीमाकर्ता के पक्ष में है, बीमाकर्ता के विरुद्ध प्रभावी न होगा, तथा यह अंतरिती या अभ्यर्पिती या उनके कानूनी प्रतिनिधि को ऐसी पॉलिसी के अंतर्गत राशि के लिए कानूनी दावा करने या उनके द्वारा धनराशि को सुरक्षित करने का अधिकार नहीं देता है। जब तक कि अंतरण या अभ्यर्पण का लिखित में नोटिस या उक्त पृष्ठांकन या इंस्ट्रूमेन्ट की प्रति, जिसे अंतरणकर्ता तथा अंतरिती दोनों या उनके विधिवत अधिकृत एजेन्ट्स द्वारा सत्य होने के लिए सत्यापित किया गया हो, बीमाकर्ता को सौंपा नहीं जाता है।

बशर्तें जहां बीमाकर्ता के भारत में एक या अधिक कारोबार के स्थान हो, वहां नोटिस को केवल वहीं पर दिया जाना है, जहां से पॉलिसी को सेवा प्रदान की जा रही है।

- 6. जिस तिथि को उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस बीमाकर्ता को सुपुर्द किया जाता है, उससे वह पॉलिसी में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों के बीच अंतरण या अभ्यर्पण के अंतर्गत सभी दावों के लिए प्राथमिकता को विनियमित करेगी, तथा जहां अंतरण या अभ्यर्पण के एक से अधिक इंस्ट्रूमेन्ट हों वहां ऐसे इंस्ट्रूमेन्ट्स के अंतर्गत दावों की प्राथमिकता उस क्रम द्वारा शासित होगी, जिसमें उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस सुपुर्द किए गए हैं।
- अभ्यर्पितों के बीच भुगतान की प्राथमिकता के बारे में कोई विवाद उत्पन्न होने पर उसे प्राधिकारी को संदर्भित किया जाएगा।
- 7. उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस के प्राप्त होने पर, ऐसे अंतरण या अभ्यर्पण के तथ्य को उसकी तिथि तथा अंतरिती या अभ्यर्पिती के नाम के साथ दर्ज करेगा तथा नोटिस देने वाले व्यक्ति द्वारा अनुरोध किए जाने पर, या अगर अंतरिती या अभ्यर्पिती, विनियमों द्वारा निर्धारित की गई फीस के भुगतान पर, ऐसे नोटिस के प्राप्त होने की लिखित पावती देता है; और ऐसी किसी पावती को बीमाकर्ता के विरुद्ध इस बात का निष्कर्षी साक्ष्य माना जाएगा कि उसे पावती से संबंधित नोटिस विधिवत प्राप्त हुआ है।
- 8. अंतरण या अभ्यर्पण के नियमों तथा शतों के अधीन, बीमाकर्ता द्वारा, उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस की प्राप्ति की तिथि से, पॉलिसी के अंतर्गत लाभ के पात्र अंतरिती या अभ्यर्पिती की पहचान करेगा या ऐसा व्यक्ति उन सभी दायिताओं तथा इक्विटियों के अधीन होगा, जिसका कि अंतरण या अभ्यर्पण की तिथि को अंतरणकर्ता या अभ्यर्पणकर्ता पात्र था तथा वह पॉलिसी के संबंध में कोई कार्रवाई कर सकता है, वह पॉलिसी के अंतर्गत ऋण प्राप्त कर सकता है या अंतरणकर्ता या अभ्यर्पणकर्ता की सहमति प्राप्त किए बिना पॉलिसी को सरेन्डर कर सकता है या उसे ऐसी कार्रवाई का एक पक्ष बना सकता है।
- स्पष्टीकरण सिवाय इसके कि जहां उप-धारा (1) में संदर्भित पृष्ठांकन स्पष्ट रूप से उल्लेख करता हो कि अभ्यर्पण या अंतरण, यहां दी गई उप-धारा (10) के अंतर्गत सशर्त है, प्रत्येक अभ्यर्पण या अंतरण को पूर्ण अभ्यर्पण या अंतरण माना जाएगा तथा अभ्यर्पिती या अंतरिती को, जैसी भी स्थिति हो, क्रमशः पूर्ण अभ्यर्पिती या अंतरिती माना जाएगा।
- बीमा कानून (संशोधन) अध्यादेश 2015 के आरंभ होने से पहले किए गए किसी अभ्यर्पण या अंतरण से जीवन बीमा की पॉलिसी के किसी अभ्यर्पिती या अंतरिती के अधिकार व उपचार इस धारा के प्रावधानों द्वारा प्रभावित नहीं होंगे।
- 10. किसी कानून के होने के बावजूद या ग्राहक की कानून के प्रतिकूल बाध्यता होने पर, व्यक्ति के पक्ष में अभ्यर्पण इस दशा में किया जा सकता है कि
- अ. पॉलिसी के अंतर्गत धनराशि पॉलिसीधारक या नामित व्यक्ति या नामित व्यक्तियों को उस दशा में देय हो सकती है अगर अभ्यर्पिती या अंतरिती की मृत्यु बीमाधारक से पहले हो जाती है; या
- ब. बीमाधारक पॉलिसी की अविध तक जीवित रहता है, मान्य होगा:
 तथापि सशर्त अभ्यपिती पॉलिसी को सरेन्डर करने या पॉलिसी पर लोन लेने का पात्र नहीं होगा।
- 11. उप-धारा (1) के अंतर्गत बीमा पॉलिसी के आंशिक अभ्यर्पण या अंतरण की दशा में, बीमाकर्ता की दायिता आंशिक अभ्यर्पण या अंतरण द्वारा सुरक्षित की गई राशि

Annexure

Assignment – As per section 38 of the Insurance Act, 1938, as amended by Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- 1. A transfer or assignment of a policy of insurance, wholly or in part, whether with or without consideration, may be made only by an endorsement upon the policy itself or by a separate instrument, signed in either case by the transferor or by the assignor or his duly authorised agent and attested by at least one witness, specifically setting forth the fact of transfer or assignment and the reasons thereof, the antecedents of the assignee and the terms on which the assignment is made.
- An insurer may, accept the transfer or assignment, or decline to act upon any endorsement made under sub-section(1), where it has sufficient reason to believe that such transfer or assignment is not bonafide or is not in the interest of the policy-holder or in public interest or is for the purpose of trading of insurance policy.
- 3. The insurer shall, before refusing to act upon the endorsement, record in writing the reasons for such refusal and communicate the same to the policyholder not later than thirty days from the date of the policyholder giving notice of such transfer or assignment.
- 4. Any person aggrieved by the decision of an insurer to decline to act upon such transfer or assignment may within a period of thirty days from the date of receipt of the communication from the insurer containing reasons for such refusal, prefer a claim to the Authority.
- 5. Subject to the provisions in sub-section (2), the transfer or assignment shall be complete and effectual upon the execution of such endorsement or instrument duly attested but except, where the transfer or assignment is in favour of the insurer, shall not be operative as against an insurer, and shall not confer upon the transferee or assignee, or his legal representative, any right to sue for the amount of such policy or the moneys secured thereby until a notice in writing of the transfer or assignment and either the said endorsement or instrument itself or a copy thereof certified to be correct by both transferor and transferee or their duly authorised agents have been delivered to the insurer:

Provided that where the insurer maintains one or more places of business in India, such notice shall be delivered only at the place where the policy is being serviced.

6. The date on which the notice referred to in sub-section (5) is delivered to the insurer shall regulate the priority of all claims under a transfer or assignment as between persons interested in the policy; and where there is more than one instrument of transfer or assignment the priority of the claims under such instruments shall be governed by the order in which the notices referred to in sub-section (5) are delivered:

Provided that if any dispute as to priority of payment arises as between assignees, the dispute shall be referred to the Authority.

- 7. Upon the receipt of the notice referred to in sub-section (5), the insurer shall record the fact of such transfer or assignment together with the date thereof and the name of the transferee or the assignee and shall, on the request of the person by whom the notice was given or of the transferee or assignee, on payment of such fee as may be specified by the regulations, grant a written acknowledgement of the receipt of such notice; and any such acknowledgement shall be conclusive evidence against the insurer that he has duly received the notice to which such acknowledgment relates.
- 8. Subject to the terms and conditions of the transfer or assignment, the insurer shall, from the date of the receipt of the notice referred to in sub-section (5), recognize the transferee or assignee named in the notice as the absolute transferee or assignee or entitled to benefit under the policy, and such person shall be subject to all liabilities and equities to which the transferor or assignor was subject at the date of the transfer or assignment and may institute any proceedings in relation to the policy, obtain a loan under the policy or surrender the policy without obtaining the consent of the transferor or assignor or making him a party to such proceedings.

Explanation – Except where the endorsement referred to in subsection (1) expressly indicates that the assignment or transfer is conditional in terms of subsection (10) hereunder, every assignment or transfer shall be deemed to be an absolute assignment or transfer and the assignee or transferee, as the case may be, shall be deemed to be the absolute assignee or transferee respectively.

- Any rights and remedies of an assignee or transferee of a policy of life insurance under an assignment or transfer effected prior to the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015 shall not be affected by the provisions of this section.
- 10. Notwithstanding any law or custom having the force of law to the contrary, an assignment in favour of a person made upon the condition that -
- a. The proceeds under the policy shall become payable to the policyholder or the nominee or nominees in the event of either the assignee or transferee predeceasing the insured; or
- b. The insured surviving the term of the policy, shall be valid:
 Provided that a conditional assignee shall not be entitled to obtain a loan on the policy or surrender a policy.
- 11. In the case of the partial assignment or transfer of a policy of insurance under sub-section (1), the liability of the insurers shall be

भाग - दः सेवा प्रदान करने के पहलू से संबंधित शर्तें

1. उम्र का प्रमाण: प्रस्ताव प्रपत्र में घोषित की गई बीमित व्यक्ति की उम्र पर प्रीमियम की गणना हो जाने के पश्चात यदि उम्र उस उम्र से अधिक पायी जाती है तो बिना किसी पूर्वाग्रह बीमा अधिनयम 1938 के अंतर्गत उपलब्ध अधिकारों और उपचारों सिहत निगम के अन्य अधिकारों और उपचारों को क्षित पहुंचाए बिना, ऐसे मामले में प्रीमियम समय सही उम्र के आधार पर मूल बीमाराशि और राइडर्स बीमाराशि, अगर लिया गया हो तो, के लिए निकाली गई दर से देय होगा और बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक निगम को पॉलिसी आरंग होने से लेकर ऐसे मुगतान की तिथि तक मूल प्रीमियम और सही उम्र के लिए प्रीमियम के बीच अंतर की संचित राशि और उस पर उसी अवधि के लिए निगम द्वारा उस समय प्रचलित निर्धारित दर पर ब्याज सिहत मुगतान करेगा। तथापि, प्रावधान है कि यदि बीमित व्यक्ति प्रस्तावक इसमें उल्लिखित प्रीमियम की दर से मुगतान करता रहे और उपयुक्त संचित ऋण राशि का भुगतान न करे तो पॉलिसी प्रारंभ होने की तिथि से पॉलिसी के दावा बनने की तिथि तक सही उम्र के प्रीमियम और मूल प्रीमियम के बीच अंतर की संचित राशि और ऐसे अंतर की प्रत्येक किस्त पर दावे के समय प्रचलित दर से ब्याज के साथ देय होगी। उसे पॉलिसी पर बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक द्वारा देय ऋण माना जाएगा।

यह भी प्रावधान है कि यदि प्रवेश के समय बीमित व्यक्ति की सही उम्र ऐसी हो तो उक्त तालिका में निर्दिष्ट बीमा वर्ग अथवा शतों के अधीन उसे बीमा के लिए अयोग्य बना दे तो उसको बीमा के आरंभ में प्रचलित प्रथा के अनुसार निगम द्वारा प्रदान किए जाने वाले बीमा वर्ग अथवा शतों में परिवर्तित कर दिया जाएगा, जो कि पॉलिसीधारक की सहमति के अधीन होगी, अन्यथा पॉलिसी को रद्द कर दिया जाएगा।

2. जब्ती तथा गैर-जब्ती संबंधी कानून:

जब्ती संबंधी कानून:

- i) अगर 3 वर्षों से कम प्रीमियम अदा किये गये हों और उस के बाद के प्रीमियमों का भुगतान न किया गया हो तो पहले अदत्त प्रीमियम की तिथी से रियायती अविध की समाप्ति के बाद इस पॉलिसी के अंतर्गत सभी लाभ समाप्त हो जाएगें और कुछ भी देय नहीं होगा और अदा किए गए प्रीमियम भी नहीं लौटाए जाएगें।
- ii) कुछ अन्य घटनाओं में जब्ती: यहाँ निहित या पृष्ठांकित किसी पिरिस्थिति के उल्लंघित होने की स्थिति में या इस प्रस्ताव में, किसी निजी कथन, घोषणा तथा संबंधित कागजातों में कोई असत्य या गलत कथन पाये जाने पर या किसी महत्वपूर्ण जानकारी के नहीं बताये जाने की स्थिति में एवं प्रत्येक ऐसी स्थिति में पॉलिसी अमान्य हो जाएगी एवं ऐसी पॉलिसी के फलस्वरूप किसी मी हितलाभ के सभी दावे समय-समय पर संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के प्रावधानों के अधीन होंगे।

गैर जब्ती संबंधी कानून:

लेकिन अगर, कम से कम पूरे तीन सालों के प्रीमियमों का भुगतान करने के बाद, अगले प्रीमियमों का भुगतान नहीं किया जाता है, तो यह पूरी तरह से अमान्य नहीं होगी, बल्कि चुकता पॉलिसी का रूप ले लेगी।

चुकता पॉलिसी के अंतर्गत "मृत्यु पर बीमा राशि" को एक ऐसी राशि के रूप में घटा दिया जाएगा, जिसे "मृत्यु पर चुकता बीमा राशि" कहा जाएगा तथा यह [(अदा किए गए कुल प्रीमियम/प्रीमियम भुगतान अविध के दौरान देय प्रीमियमों की कुल संख्या) X मृत्यु पर बीमा राशि] के समान होगी।

चुकता पॉलिसी के अंतर्गत परिपक्वता पर बीमा राशि घट जाएगी तथा इस राशि को "परिपक्वता पर चुकता बीमा राशि" कहा जाएगा और यह [(अदा किए गए कुल प्रीमियम/ प्रीमियम मुगतान अवधि के दौरान देय प्रीमियमों की कुल संख्या) X (परिपक्वता पर बीमा राशि)] के समान होगी।

अगर पॉलिसी चुकता पॉलिसी के रूप में जारी रहती है तो भविष्य के लामो में भागीदारी की पात्र नहीं होगी। हालांकि अगर कोई निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनस हो, तो वे घटी हुई चुकता पॉलिसी से जुड़े रहेंगे।

उपरोक्त उल्लेख किए गए के बावजूद, अगर इस पॉलिसी के अंतर्गत कम से कम पूरे 3 वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो, और उसके बाद के प्रीमियम का भुगतान न किया गया हो, तो पहले भुगतान न किए गए प्रीमियम की देय तिथि से छः महीने के अंदर बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर "मृत्यु पर देय बीमा राशि" का भुगतान, निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनसों, तथा अंतिम अंतिरिक्त बोनसों अगर कोई हो, के साथ (अ) मूल पॉलिसी हेतु मृत्यु की तिथि तक अदा न किए गए प्रीमियमों और उन पर लगने वाला ब्याज, उन्हीं शर्तों पर जो कि इसी अविध के लिए पॉलिसी के पुनर्चालन पर हो तथा (ब) अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले देय होने वाला मूल पॉलिसी के लिए अदा न किए गए प्रीमियम को घटाकर किया जाएगा।

उपरोक्त उल्लेख किए गए के बावजूद, अगर इस पॉलिसी के अंतर्गत कम से कम पूरे 5 वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो, और उसके बाद के प्रीमियम का भुगतान न किया गया हो, तो पहले भुगतान न किए गए प्रीमियम की देय तिथि से 12 महीने के अंदर बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर "मृत्यु पर देय बीमा राशि" का भुगतान, निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनमें, तथा अंतिश अंतिरेक्त बोनसों अगर कोई हो, के साथ (अ) मूल पॉलिसी हेतु मृत्यु की तिथि तक अदा न किए गए प्रीमियमों और उन पर लगने वाला ब्याज, उन्हीं शतों पर जो कि इसी अविध के लिए पॉलिसी के पुनर्चालन पर हो तथा (ब) अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले देय होने वाला मूल पॉलिसी के लिए अदा न किए गए प्रीमियम को घटाकर किया जाएगा।

ये प्रावधान वैकल्पिक राइडर पर लागू नहीं होते है क्योंकि वे कोई चुकता मूल्य प्राप्त नहीं करते है और पॉलिसी के कालातीत अवस्था में होने पर राइडर हितलाभ समाप्त हो जाते हैं।

3. कालातीत पॉलिसियों का पुर्नचलन: अगर रियायती दिनों के अंदर प्रीमियम का भुगतान न करने के कारण पॉलिसी कालातीत हो गयी हो, तो इसे अदा न किए गए पहले प्रीमियम की तिथि से लगातार 2 वर्षों की अविध के अंदर, मगर बीमित व्यक्ति के जीवनकाल के दौरान फिर से बहाल किया जा सकता है। जो कि निगम को बीमित व्यक्ति और/या प्रस्तावक (अगर प्रीमियम माफी हितलाभ राइडर चुना हो) संतोषप्रद, निरन्तर बीमा योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत करने तथा तथा समय-समय पर निगम द्वारा निर्धारित दर पर ब्याज के साथ (छमाही चक्रवृद्धि दर से) प्रीमियम्स की सभी बकाया राशियों का भुगतान करने पर बहाल होगी। लेकिन निगम के पास स्थगित पॉलिसी को फिर से बहाल करने को मूल शतौं पर स्वीकार करने, संशोधित शतौं के साथ स्वीकार करने या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। स्थिगत वालिसी की बहाली तभी प्रभावी होगी जब निगम द्वारा उसे अनुमोदित किया जाएगा तथा/वीमित व्यक्ति को विशिष्ट रूप से सूचित कर दिया जाएगा।

higher than such age, without prejudice to the Corporation's other rights and remedies, including those under the Insurance Act, 1938, the premiums shall be payable in such case at the rate calculated on the Basic Sum Assured and Rider(s) Sum Assured, if opted for, for the correct age at entry, and the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums, from the commencement of the Policy upto the date of such payment shall be paid to the Corporation with interest at such rate as fixed by the Corporation from time to time. However, in case the Life Assured/ Proposer continues to pay the premiums at the rates shown herein and also does not pay the above mentioned accumulated debt, the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums from the commencement of this Policy up to the date on which the Policy becomes a claim, with interes on each instalment of such difference at such rate as may be fixed by the Corporation from time to time, shall accrue and be treated as a debt due by the Life Assured / Proposer against the said Policy and shall be deducted from the Policy moneys payable on the Policy becoming a claim.

Provided further that if the Life Assured's correct age at entry is such as would have made him/her uninsurable under the class or terms of assurance specified in the said Schedule hereto, the class or terms shall stand altered to such Plan of Assurance as are granted by the Corporation according to the practice in force at the commencement of this policy subject to the consent of the Policyholder, otherwise the policy will be cancelled.

2. Forfeiture and Non-forfeiture Regulations:

Forfeiture Regulations:

- i. If less than three years' premiums have been paid and any subsequent premium be not duly paid, all the benefits shall cease after the expiry of grace period from the date of first unpaid premium and nothing shall be payable, and the Premiums paid thitherto are also not refundable.
- ii. Forfeiture in Certain Other Events: In case any condition herein contained or endorsed hereon be contravened or in case it is found that any untrue or incorrect statement is contained in the proposal, personal statement, declaration and connected documents or any material information is withheld, then and in every such case this policy shall be void and all claims to any benefit in virtue of this policy shall be subject to the provisions of Section 45 of the Insurance Act, 1938, as amended from time to time.

Non-forfeiture Regulations:

If, after atleast three full years' premiums have been paid and any subsequent premiums be not duly paid, this policy shall not be wholly void, but shall subsist as a paid-up policy.

The Sum Assured on Death under a paid-up policy shall be reduced to such a sum, called 'Death Paid-up Sum Assured' and shall be equal to [Sum Assured on Death * (Number of premiums paid / Total Number of premiums payable during the Premium Paying Term)].

The Sum Assured on Maturity under a paid-up policy shall be reduced to such a sum called 'Maturity Paid-up Sum Assured' and shall be equal to [Sum Assured on Maturity * (Number of premiums paid / Total Number of premiums payable during the Premium Paying

If a policy continues as a paid up policy the same shall not be entitled to participate in future profits. However, the vested simple reversionary bonuses, if any, shall remain attached to the reduced paid up policy.

Notwithstanding what is stated above, if atleast 3 full years' premiums have been paid in respect of this policy, and any subsequent premium be not duly paid, in the event of the death of the Life Assured within six months from the due date of first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested simple reversionary bonuses, and Final Additional Bonuses, if any, will be paid after deduction of (a) the premium(s) for the base policy unpaid with interest thereon upto the date of death, on the same terms as for revival of the Policy during such period and (b) the balance premium(s) for the base policy falling due from the date of death and before the next policy anniversary.

Notwithstanding what is stated above, if at least 5 full years' premiums have been paid in respect of this policy, and any subsequent premium be not duly paid, in the event of death of the Life Assured within 12 months from the first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, will be paid after deduction of (a) the premium(s) for the base policy unpaid with interest thereon upto the date of death, on the same terms as for revival of the Policy during such period and (b) the balance premium(s) for the base policy falling due from the date of death and before the next policy anniversary.

These provisions do not apply to optional Rider(s) as they do not acquire any paid up value and the rider benefit ceases to apply, if policy is in lapsed condition.

3. Revival of lapsed Policies: If the Policy has lapsed due to non payment of due premium within the days of grace, it may be revived during the life time of the Life Assured, but within a period of 2 consecutive years from the date of the first unpaid premium, on submission of proof of continued insurability to the satisfaction of the Corporation and the payment of all the arrears of premium together with interest (compounding half-yearly) at such rate as fixed by the Corporation from time to time. The Corporation however, reserves the right to accept at original terms, accept with modified terms or decline the revival of a discontinued policy. The revival of the discontinued policy shall take effect only after the same is approved by the Corporation and is specifically communicated to the Life Assured.

- राइडर को पुनः प्रचालित करने, अगर चुना गया हो, पर तभी विचार किया जाएगा अगर मूल पॉलिसी को भी पुनः प्रचालित किया जाता है, सिर्फ़ उसे नहीं।
- 4. अभ्यर्पण: पॉलिसी के अंतर्गत कम से कम लगातार तीन वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान करने के बाद उसे पॉलिसी की अवधि के दौरान किसी भी समय सरेन्डर

गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य कुल अदा किए गए प्रीमियमों में से बीमालेखन निर्णयों के कारण घटायी गई किसी अतिरिक्त राशि तथा राइडर (राइडर्स) के लिए प्रीमियम, अगर चुना गया हो, के साथ कुल अदा किए गए प्रीमियम पर लागू गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य घटक के गुणनफल के समान होगा। प्रतिशत के रूप में व्यक्त किए गए ये गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य घटक पॉलिसी अविध तथा पॉलिसी वर्ष पर निर्भर करेंगें; जब पॉलिसी को अभ्यर्पण किया गया था तथा ये इस पॉलिसी दस्तावेज के परिशिष्ट-4 में मौजुद हैं

इसके अलावा, निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनसों, अगर कोई हो के सरेन्डर मूल्य का भी भुगतान किया जाएगा, जो कि निहित बोनस और निहित बोनसों पर लागू अभ्यपंण मूल्य घटक के गुणनफल के समान होगा। यह प्रतिशतता अभ्यपंण मूल्य घटक, पॉलिसी अविध तथा उस पॉलिसी वर्ष पर निर्भर करेगी, जब पॉलिसी को अभ्यपंण किया गया तथा यह इस कागजात के परिशिष्ट-5 के रूप में संलग्न हो

तथापि, इस पॉलिसी के अंतर्गत विशेष सरेन्डर मूल्य का भुगतान किया जाएगा, अगर वह पॉलिसीधारक के लिए अधिक अनुकूल है। स्पेशल अभ्यर्पण मूल्य, परिपक्वता चुकता बीमा राशि (भाग द की शर्त 2 में परिमाषित अनुसार) तथा निहित सरल प्रत्यावर्ती बोनसों के योगफल का स्पेशल अभ्यर्पण मूल्य घटक से गुणनफल मूल्य होगा। इस पॉलिसी पर लागू ये स्पेशल अभ्यर्पण मूल्य घटक आईआरडीएआई की पूर्व मंजूरी से समय-समय पर बदल सकते हैं।

राइडर पर कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा।

- 5. पॉलिसी ऋण: अगर कम से कम पूरे तीन वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो तो इस पॉलिसी की निम्नलिखित शतों तथा पॉलिसी के अभ्यर्पण मूल्य के अंतर्गत की राशि के लिए तथा निगम द्वारा समय-समय पर निर्धारित की गई अन्य नियमों तथा शतों के अंतर्गत लोन प्राप्त किया जा सकता है:
 - पॉलिसी पूर्णतः अभ्यपिंत होगी तथा ऋण और उस पर ब्याज की अदायती के लिए उसे जमानत के रूप में निगम के द्वारा धारित रखा जाएगा।
 - 2. निगम को ब्याज का भुगतान, इस पॉलिसी के अंतर्गत ऋण लेते समय निगम द्वारा विनिर्धारित दर से छमाही चक्रवृद्धि दर से किया जाएगा। ब्याज की पहली किस्त का मुगतान अगली पॉलिसी वर्षगांठ पर या अगली पॉलिसी वर्षगांठ से छः महीने पहले की तिथि पर, जो भी उसके तुरन्त बाद हो, जब ऋण स्वीकृत किया गया था, किया जाएगा। और उसके बाद हर छः महीने पर किया जाएगा। ब्याज कम से कम छः महीनों के लिए लिया जाएगा।
- 3. ऐसी पॉलिसियों के मामले में जो कि प्रभावी न हों जैसे कि चुकता पॉलिसियां, ऊपर उल्लेख किए गए अनुसार देय तिथि को ऋण पर ब्याज के भुगतान में चूक के कारण, निगम 30 दिनों की नोटिस अवधि की समाप्ति के बाद किसी भी समय, ऐसी चूक करने वाली पॉलिसियों को समय पूर्व समाप्त करने के लिए अधिकृत है। ऐसी पॉलिसियों को समय पूर्व समाप्त किए जाने पर पूर्व—समाप्ति की तिथि पर वे अभ्यर्पण मूल्य के भुगतान की पात्र होंगी, जिस बकाया ऋण तथा उस पर जमा ब्याज को काटकर अदा कर दिया जाएगा। हालांकि, प्रभावी पॉलिसियों के मामले में (जहां सभी प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो), पूर्व सामाप्ति की क्रिया लागू नहीं होगी।
- अगर पॉलिसी परिपक्व होती है या पॉलिसी को अभ्यर्पण किया जाता है या मृत्यु के कारण दावा किया जाता है तो निगम द्वारा पॉलिसी की धनराशि से बकाया ऋण या उसके किसी अंश को सभी देय ब्याजों के साथ काट लिया जाएगा।

<u>भाग - य</u>

भाग - र: अन्य नियम व शर्तें

- 1. फ्री लुक पीरियड: फ्री लुक पीरियड के दौरान, अगर पॉलिसीधारक पॉलिसी के नियम तथा शर्तों से संतुष्ट नहीं है तो वह अपनी आपत्तियों के कारण का उल्लेख करते हुए पॉलिसी को लौटा सकता है। इसके प्राप्त होने पर निगम पॉलिसी को रह कर देगा तथा संरक्षित जोखिम अवधि के लिए आनुपातिक जोखिम प्रीमियम (मूल पॉलिसी और राइडर, अगर चुना गया हो, के लिए) स्वास्थ्य जांच शुल्क व स्टैम्प ड्यूटी हेतु शुल्क को काटकर, जमा किए गए प्रीमियम को लौटा देगा।
- 2. अ) समानुदेशन: इस पॉलिसी के अंतर्गत समय-सम पर यथा संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के तहत समानुदेशन की अनुमति है। धारा 38 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के पिरिशष्ट-1 में दिए गए हैं। समानुदेशन का नोटिस निगम के इस कार्यालय में पंजीकरण के लिए दिया जाना चाहिए, जहां पॉलिसी को सेवाएं प्रदान की जाती है।
- ब) नामांकन: समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा के अंतर्गत जीवन बीमा की पॉलिसी के धारक द्वारा नामांकन अपेक्षित है। धारा 39 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के परिशिष्ट-2 में दिए गए हैं। नामांकन या नामांकन बदलने की सूचना को सेवाएं प्रदान की जाती है। नामांकन के पंजीकरण में निगम उसकी वैधता या कानूनी प्रभाव के बारे में कोई जिम्मेदारी नहीं स्वीकार करता है या कोई राय नहीं व्यक्त करता हैं।
- 3. आत्महत्याः यह पॉलिसी अवैध मानी जाएगी।
- i. अगर बीमित व्यक्ति (चाहे वह मानसिक रूप से स्वस्थ हो या अस्वस्थ), जोखिम के आरंभ होने की तिथि से 12 महीनों के अंदर आत्महत्या करता है तो निगम द्वारा इस पॉलिसी के अंतर्गत किसी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल अदा किए गए प्रीमियम्स के 80% को, किन्हीं अतिरिक्त राशियों, जिन्हें बीमालेखन निर्णयों के कारण पॉलिसी के अंतर्गत लिया गया हो, तथा टर्म एश्योरेन्स राइडर से मिन्न किसी राइडर के प्रीमियम को छोड़कर, अगर कोई हो, का भुगतान किया जाएगा। बशर्त पॉलिसी चालू अवस्था में हो।
- iii. अगर बीमित व्यक्ति (चाहे वह मानसिक रूप से स्वस्थ हो या अस्वस्थ), पुर्नचलन की तिथि से 12 महीनों के अंदर आत्महत्या करता है तो मृत्यु की तिथि तक अदा किए गए प्रीमियन्स के 80% को किसी अतिरिक्त राशियों, जिसे बीमालेखन निर्णयों के कारण पॉलिसी के अंतर्गत लिया गया हो तथा टर्म एश्योरेन्स राइडर से मिन्न राइडर प्रीमियम, का भृगतान किया जाएगा। निगम द्वारा इस पॉलिसी

- Revival of Rider(s), if opted for, will only be considered along with the revival of the base policy and not in isolation.
- Surrender: The policy can be surrendered at any time during the policy term provided premiums have been paid for atleast three consecutive years.

The Guaranteed Surrender Value shall be equal to the total premiums paid excluding any extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and premiums for rider(s), if opted for, multiplied by the Guaranteed Surrender Value factor applicable to total premiums paid. These Guaranteed Surrender Value factors expressed as percentages will depend on the policy term and policy year in which the policy is surrendered and are contained in Annexure - IV of this Policy Document.

In addition, the surrender value of vested simple reversionary bonuses, if any, shall also be payable, which is equal to vested bonuses multiplied by the Surrender Value factor applicable to vested bonuses. These surrender value factors will depend on the policy term and the policy year in which policy is surrendered and are contained in Annexure – V of this Policy Document.

However, under this policy, Special Surrender Value will be payable, if it is more favorable to the Policyholder. The Special Surrender Value will be the Special Surrender Value factor multiplied by the sum of Maturity Paid-up Sum Assured (as defined in Condition 2 of Part D) and vested Simple Reversionary Bonuses. The Special Surrender Value factors applicable to this policy may change from time to time with prior approval of IRDAI.

No surrender value will be available on Rider(s), if any

- 5. Policy Loan: Loan can be availed under this policy provided atleast three full years' premiums have been paid, subject to the following terms and conditions, within the surrender value of the policy for such amounts and on such further terms and conditions as the Corporation may fix from time to time:
- The Policy shall be assigned absolutely to and held by the Corporation as security for the repayment of Loan and of the interest thereon;
- 2. Interest on Loan shall be paid on compounding half-yearly basis to the Corporation at the rate to be specified by the Corporation at the time of taking loan under this policy. The first payment of interest is to be made on the next Policy anniversary or on the date six months before the next Policy anniversary whichever immediately follows the date on which the Loan is sanctioned and every half year thereafter. Interest is charged for a minimum period of six months:
- 3. In case of policies which are not inforce i.e. Paid-up policies, in the event of default in payment of loan interest on the due date as herein mentioned above, the Corporation would be entitled to foreclose such policies which continue to be in default, anytime after expiry of notice period of 30 days. Such policies when being foreclosed shall be entitled to payment of surrender value as on date of foreclosure, if any, after deduction of outstanding loan and accrued interest. However, in case of inforce policies (where all the due premiums stand paid) and fully paid-up policies (where all premiums payable during the term of the policy stand paid), foreclosure action shall not be applicable;
- 4. In case the policy shall mature or is surrendered or become a claim by death, the Corporation shall become entitled to deduct the amount of the Loan or any portion thereof which is outstanding, together with all interest from the policy moneys.

PART E

Not Applicable.

PART - F: OTHER TERMS AND CONDITIONS

- 1. Free look period: During the Free Look period, if the Policyholder is not satisfied with the Terms or Conditions of the policy, he/she may return the policy to the Corporation stating the reason of objections. On receipt of the same the Corporation shall cancel the policy and return the amount of premium deposited after deducting the proportionate risk premium (for Base Policy and riders, if opted for) for the period on cover and charges for medical examination, special reports, if any and stamp duty.
- 2. a) Assignments: Assignment is allowed under this plan as per Section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 38 are contained in Annexure-I of this Policy Document. The notice of assignment should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced.
- b) Nominations: Nomination by the holder of a policy of life assurance is required as per Section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 39 are contained in Annexure-II of this Policy Document. The notice of nomination or change of nomination should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced. In registering nomination the Corporation does not accept any responsibility or express any opinion as to its validity or legal effect.
- 3. Suicide: This policy shall be void
 - i. If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide at any time within 12 months from the date of commencement of risk, the Corporation will not entertain any claim under this policy except for 80% of the premiums paid excluding any extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions and rider premiums other than term assurance rider, if any, provided the policy is inforce.
 - ii. If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide within 12 months from date of revival, an amount which is higher of 80% of the premiums paid till the date of death excluding extra

के अंतर्गत किसी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। यह धारा लागू नहीं होगी अगर पॉलिसी चुकता मूल्य प्राप्त किए बिना कालातीत हो गयी हो तो ऐसी पॉलिसियों के अंतर्गत कुछ भी देय नहीं होगा।

- 4. कर: ऐसी इंश्योरेन्स प्लान्स पर यदि कोई वैधानिक कर भारत सरकार या किसी अन्य भारत की संवैधानिक संस्था द्वारा कर लगाया जाता है तो वह समय-समय पर लागू कर संबंधी कानूनो और कर की दर के अनुसार होगा।
- पॉलिसीधारक को प्रीमियमों (मूल पॉलिसी तथा राइडर्स के लिए, अगर कोई हो), जिसमें बीमालेखन संबंधी निर्णयों के कारण अगर पॉलिसी के अंतगर्त कोई अतिरिक्त राशि ली गई हो तो वह भी शामिल है, पर देय सेवाकर मौजूदा दरों से लिया जाएगा, जो कि पॉलिसीधारक दूारा देय प्रीमियमों के ऊपर व अतिरिक्त होगा। अदा किए गए कर की राशि को प्लान के अंतर्गत देय हितलामों की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा।
- 5. दावे के लिए सामान्य अपेक्षाएं: बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक की मृत्यु होने पर दावंदार द्वारा दावा प्रस्तुत करते समय देय सामान्य दस्तावेजों में निगम द्वारा विनिर्धारित दावा प्रपत्र के साथ मूल पॉलिसी दस्तावेज, दावे की राशि के सीथे बँक खाते में जमा होने के लिए दावंदार की ओर से एनईएफटी आदेश, स्वामित्व का प्रमाण, मृत्यु का प्रमाण, मृत्यु से पूर्व चिकित्सा उपचार, स्कूल/कॉलेज/नियोक्ता का प्रमाण पत्र, इन में से जो लागू हो, निगम को संतोषप्रद रूप में पेश करना होगा। अगर पॉलिसी के अंतर्गत उम्र स्वीकृत नहीं की है, तो बीमित व्यक्ति/प्रस्तावक की उम्र का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

पॉलिसी के परिपक्वता दावे में परिणत होने या विद्यमानता हितलाभ दावे की स्थिति प्राप्त करने या पॉलिसी के सरेन्डर किए जाने की स्थिति में, बीमित जीवन को डिस्चार्ज फॉर्म के साथ मूल पॉलिसी दस्तावेज, दावे की राशि के सीधे बैंक खाते में जमा होने के लिए दावेदार की ओर से एनईएफटी आदेश, उम्र का प्रमाण, अगर उम्र को पहले स्वीकृत नहीं किया गया हो, प्रस्तुत करना होगा।

पॉलिसी के अंतर्गत दुर्घटनात्मक अशक्तता/मृत्यु का दावा उत्पन्न होने पर निम्नलिखित सूची में से लागू विवरणियां मंगवायी जा सकती है, तािक सुनिश्चित हो सके कि मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई:

- 1) प्राथमिक (एफआईआर) की प्रमाणित प्रतिलिपि
- 2) पुलिस छानबीन (जांच) रिपोर्ट की प्रमाणित प्रतिलिपि
- 3) पंचनामा की प्रतिलिपि
- 4) मृत्यु के संभावित कारण की जानकारी के लिए पोस्ट मॉर्टम की रिपोर्ट. अगर पोस्ट मॉर्टम में बिसरा को सुरक्षित किया गया है तो उसकी सामग्रियों की जानकारी के लिए केमिकल एनालाइजर रिपोर्ट अर्थात क्या बीमित व्यक्ति ने शराब, ड्रम्स, मादक द्रव्यों या जहर का सेवन किया था।
- 5) अखबार की कटिंग, जिसमें दुर्घटना का उल्लेख किया गया हो।
- अगर मृत्यु का कारण वाहन दुर्घटना हो तो ड्राइविंग लाइसेंस की प्रतिलिपि, अगर बीमित व्यक्ति वाहन चला रहा हो।
- मृत्यु के बारे में सब-डिविजनल माजिस्ट्रेट का अंतिम निर्णय- इसे मृत्यु के वर्गीकरण - स्वाभाविक/आत्महत्या/दूर्घटनात्मक की जानकारी मिलेगी।
- 8) जहां दुर्घटना की रिपोर्ट पुलिस में नहीं की गई हो, जैसे कि कुत्ते या सांप के काटने से मृत्यु, तो वैकल्पिक प्रमाण दिया जाना चाहिए जैसे कि चश्मदीद् गवाह का बयान, प्रामसेवक या सरकारी अधिकारी का हलफनामा, हमारी अपनी पूछताछ रिपोर्ट, इलाज करने वाले डॉक्टर या अस्पताल की रिपोर्ट पर्याप्त हो सकती है।
- 9) अस्पताल में इलाज की रिकॉर्ड
- वैधानिक परिवर्तन: इस पॉलिसी के अंतर्गत प्रीमियम व देय हितलाभ तथा नियम तथा शर्तें संबंधित विधानों और विनियमों में परिवर्तन के विषयाधीन होंगे।
- 7. **लाभों का उदाहरण:** आपके अनुकूल हितलाभ का उदाहरण इस पॉलिसी दस्तावेज के साथ संलम्न है।

भाग - लः सांविधिक प्रावधान

बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45:

समय-समय पर यशासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45 का प्रावधान मौजूदा प्रावधान परिशिष्ट-॥ में संलम्न है।

शिकायत समाधान प्रणाली:

ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए निगम के शाखा/मंडल/क्षेत्रीय/केन्द्रीय कार्यालय में शिकायत समाधान अधिकारी हैं। ग्राहकों की शिकायत का शीघ्र समाधान करने के लिए निगम ने अपने कस्टमर पोर्टल (वेबसाइड) http://www.licindia.in के ज़रिए ग्राहक शुभिचन्तक एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली प्रस्तुत की है, जिसके ज़रिए पंजीकृत पॉलिसीधारक अपनी शिकायत को सीधे दर्ज कर सकते हैं तथा उसकी स्थिति पर निगरानी रख सकते हैं। ग्राहक अपनी किसी समस्या के समाधान के लिए ईमेल आईडी co_crmgrv@licindia.com पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

अगर प्राप्त प्रतिसाद से ग्राहक संतुष्ट नहीं हो या उसे 15 दिनों के अंदर हमसे कोई प्रतिसाद न मिले तो ग्राहक निम्नलिखित किसी माध्यम से आईआरडीएआई के शिकायत कक्ष हो सम्पर्क कर सकता है।

- टोल फ्री नंबर 155265/18004254732 (अर्थात आईआरडीएआई शिकायत कॉल सेन्टर) पर कॉल करे
- यहां ई मेल भेजे complaints@irda.gov.in
- ऑनलाइन शिकायत http://www.igms.irda.gov.in पर दर्ज करे
- क्रियर/पत्र के जिरए शिकायत यहां भेजकरः उपभोक्ता मामले विभाग, भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण, 9वीं मंजिल, युनायटेड इंडिया टावर्स, बशीरबाग, हैदराबाद – 500 029, आंध्र प्रदेश ।
- फैक्स नं. 040-66789768 पर शिकायत भेजे

जो दावेदार मृत्यु के दावे को अस्वीकृत किए जाने के निर्णय से असंतुष्ट हों वे अपने मामले को समीक्षा के लिए क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा विवाद समाधान समिति या केन्द्रीय कार्यालय दावा विवाद समाधान समिति के पास भेज सकते हैं। प्रत्येक दावा विवाद समाधान समिति के पास भेज सकते हैं। प्रत्येक दावा विवाद समाधान समिति में उच्च न्यायालय/जिला न्यायालय के एक सेवानिवृत्त जज सदस्य के रूप में हैं। शिकायतों से संबंधित दावों के समाधान के लिए दावेदार भारत सरकार द्वारा नियुक्त बीमा लोकपाल से भी सम्पर्क कर सकते हैं जो कि ग्राहकों को कम खर्चे के साध त्वरित गित से मध्यस्थता प्रदान करने के लिए है।

amount if charged under the policy due to underwriting decisions and rider premiums other than term assurance rider, if any, or the surrender value, shall be payable. The Corporation will not entertain any other claim under this policy. This clause shall not be applicable for a policy lapsed without acquiring paid up value and hence nothing shall be payable under such policies.

4. Tax: Statutory Taxes, if any, imposed on such insurance plans by the Government of India or any other constitutional tax Authority of India shall be as per the Tax laws and the rate of tax as applicable from time to time.

The amount of Service Tax payable as per the prevailing rates shall be payable by the policyholder on premiums (for base policy & rider(s), if any) including extra amount if charged under the policy due to underwriting decisions, which shall be collected separately over and above in addition to the premiums payable by the policyholder. The amount of tax paid shall not be considered for the calculation of any benefits payable under the plan.

5. Normal requirements for a claim: The normal documents which the claimant shall submit while lodging the claim in case of death of the Life Assured shall be claim forms, as prescribed by the Corporation, accompanied with original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account, proof of title, proof of death, medical treatment prior to the death, school/ college/ employer's certificate, whichever is applicable, to the satisfaction of the Corporation. If the age is not admitted under the policy, the proof of age of the Life assured shall also be submitted.

Where the policy results into a maturity claim or results into a survival benefits claim or in case of surrender of the policy, the Life Assured shall submit the discharge form along with the original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account besides proof of age, if the age is not admitted earlier.

Where policy results into a accidental disability/death claim the applicable statements from the following list may be called to ascertain circumstances under which death / disability took place:-

- 1) A certified copy of first information report (FIR).
- 2) A certified copy of police inquest report.
- 3) Copy of panchanama.
- 4) Post mortem report to know the probable cause of death. If viscera is preserved in post mortem, then chemical analyzer report to know the contents i.e. whether life assured has consumed liquor, drugs, narcotics or poison.
- 5) News paper cuttings where accident is reported
- 6) If death is due to vehicle accident, then copy of driving licence, if life assured was driving the vehicle.
- Sub-divisional magistrate final verdict about death- this will give classification of death as 'natural/suicide/accidental'
- 8) When accident is not reported to police authorities, like death due to dog or snake bite, then alternate proofs such as statement of eye witness, affidavit of gramsevak or govt. officials, our own enquiry report, attending physician or hospital reports may be sufficient
- 9) Hospital treatment records, etc.
- 6. Legislative Changes: The Terms and Conditions including the premiums and benefits payable under this policy are subject to variation in accordance with the relevant Legislation & Regulations.
- Benefit Illustration: Your customized Benefit Illustration is enclosed to this document.

PART - G: STATUTORY PROVISIONS

Section 45 of the Insurance Act, 1938:

The provisions of the sections 45 of the Insurance Act, 1938 shall be applicable as amended from time to time. The current provisions are contained in Annexure-III of this Policy Document.

Grievance Redressal Mechanism:

The Corporation has Grievance Redressal Officers at Branch/ Divisional/Zonal/ Central Office to redress grievances of customers. For ensuring quick redressal of customer grievances the Corporation has introduced Customer friendly Integrated Complaint Management System through our Customer Portal (website) which is http://www.licindia.in, where a registered policy holder can directly register complaint/ grievance and track its status. Customers can also contact at e-mail id co_crmgrv@licindia.com for redressal of any grievances.

In case the customer is not satisfied with the response or do not receive a response from us within 15 days, then the customer may approach the Grievance Cell of the IRDAI through any of the following modes:

- Calling Toll Free Number 155255 / 18004254732 (i.e. IRDAI Grievance Call Centre)
- Sending an email to complaints@irda.gov.in
- Register the complaint online at http://www.igms.irda.gov.in
- Address for sending the complaint through courier / letter: Consumer Affairs Department, Insurance Regulatory and Development Authority of India, 9th Floor, United India Towers, Basheerbagh, Hyderabad – 500 029, Andhra Pradesh.
- Sending the complaint by Fax to 040-66789768

Claimants not satisfied with the decision of death claim repudiation have the option of referring their cases for review to Zonal Office Claims Dispute Redressal Committee or Central Office Claims Dispute Redressal Committee. A retired High Court/ District Court Judge is member of each of the Claims Dispute Redressal Committees. For Redressal of Claims related grievances, claimants can also approach Insurance Ombudsman who provides for low cost and speedy arbitration to customers.